पटना ●बुधवार , 05 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः58 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया में ... 3 www. bordernewsmirror.com त्रिशा कृष्णन ने गुड बैड... 7

रियायत | अब सलाखों से बाहर निकलकर कमाएंगे पैसा,अच्छे आचरण का मिलेगा ईनाम

यूपी में जेल में बंद कैदियों के लिए नई पहल

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सेंट्रल जेल में बंद कैदियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है। जेल प्रशासन की पहल पर अब उन्हें कैद से बाहर निकाला जाएगा और उनसे रोजगार कराकर आचरण में सुधार और पुनर्वास का का मौका दिया जाएगा। जल प्रशासन के प्रयास की लोक प्रशंसा कर रहे हैं। गोरखपुर जेल प्रशासन द्वारा नई पहल करते हुए सजायाफ्ता कैदियों के लिए एक नई योजना तैयार की है, इसके तहत अच्छे आचरण और अनुशासित कैदियों को जेल की

चारदीवारी से बाहर निकाल कर रोजगार कराया जाएगा। इसके लिए जेल प्रशासन की तरफ से दो पेट्रोल पंप खोले जा रहे हैं। इन पेट्रोल पंपों पर यह कैदी काम करेंगे, इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरा से कराई जाएगी और फिर शाम को उन्हें वापस जेल पहुंचा दिया जाएगा। कैदियों के सामाजिक आचार विचार और व्यवहार की मॉनिटरिंग की जाएगी और फिर उन्हें इसका इनाम भी दिया जाएगा।

इस बारे में जेल अधीक्षक दिलीप पांडेय ने बताया कि कैदियों की स्क्रीनिंग कराई जा रही है, सजायाफ्ता अच्छे व्यवहार वाले कैदियों को जेल प्रशासन द्वारा खोले जा रहा है तीन पेट्रोल पंपों पर रोजगार दिया जाएगा। इसकी लिस्ट शासन को भेजी गई है। इस बात की मंजूरी मिलते ही आगे की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इस निर्णय का फायदा लंबे समय से सजा काट रहे कैदियों को अवसाद से बाहर निकालने में मिलेगा। ताकि सामाजिक परिवेश में फिर से इन्हें ढाला जा सके और इनके जीवन में सुधार लाया जा सके। इस तरह की पहल विदेशो में पहले से चल रही है। जहां कैदियों को जेल से बाहर निकाल कर रोजगार कराया जाता है। यहां जिला कारागार में भी होने वाली खेती में कैदी काम करते थे, लेकिन अब इन्हें बाहर भी निकाला जाएगा।

औरंगजेब की तारीफ पर महाराष्ट्र में बरपा हंगामा

सपा विधायक अबू आजमी पर भड़के नेता,सस्पेंड करने की डिमांड

मुंबई (एजेंसी)। सपा विधायक अबू आजमी की ओर से मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर महाराष्ट्र विधानसभा में मंगलवार को हंगामा मच गया। उन्होंने कहा था कि औरंगजेब का शासन इतना अच्छा था कि उसके दौर में भारत सोने की चिड़िया था। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर से विधायक ने दावा किया था, 'हमारा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) दुनिया का 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के शासनकाल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था।' महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' के सदस्यों ने मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने के लिए मंगलवार को सपा के विधायक अबू आसिम आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने की मांग की। इस मुद्दे पर हंगामा इतना बरपा कि कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने दावा किया कि आजमी औरंगजेब के वंशज हैं।

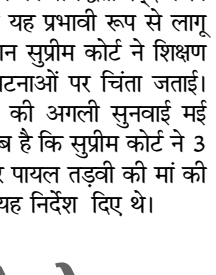

पाकिस्तानी युवती के जाल में फंसा रेलवे का कर्मचारी

● देश के खिलाफ करने लगा जासूसी, अब फंसा शिकंजे में

जयपुर (एजेंसी)। बीकानेर में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले रेलवे कर्मचारी को राजस्थान इंटेलिजेंस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भवानी सिंह को पाकिस्तानी युवती ने हनीट्रैप में फंसाया। रेलवे कर्मचारी पैसों के लालच में सोशल मीडिया के जरिए महिला एजेंट से संपर्क में रहा। वह सेना की

गतिविधियों की गोपनीय जानकारी दे रहा था। इसके बदले भवानी सिंह आईएसआई से पैसा ले रहा था। इंटेलीजेंस अधिकारियों ने बताया- पाकिस्तानी एजेंसियों की ओर से राज्य में की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर निगरानी के दौरान इस कॉल को ट्रेस किया था। इसके बाद इंटेलीजेंस की टीम आरोपी भवानी सिंह तक पहुंची। जो रेलवे में पॉइंटमैन के पद पर काम कर रहा था। रेलवे कर्मचारी कई महीनों से निमी नाम की पाकिस्तानी युवती के संपर्क में था।

यूजीसी ने तैयार किया ड्राफ्ट,आप भी दे सकते हैं सुझाव

कॉलेजों में अब रुकेगा जाति के आधार पर भेदभाव!

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यूनिवर्सिटी ग्रांड कमिशन (यूजीसी) ने एक मसौदा तैयार किया है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव से संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह जाति के आधार पर भेदभाव और अन्य संबंधित समस्याओं को प्रभावी ढंग से सुलझाने के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाना चाहता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि यूजीसी ने कुछ चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मसौदा नियम तैयार किए हैं। ये सुझावों के लिए प्रकाशित किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता, हस्तक्षेपकर्ता या कोई अन्य इच्छुक व्यक्ति अपने सुझाव यूजीसी को भेज सकते हैं। उन्हें उचित रूप से विचार में लिया जाएगा।

जवाब नहीं दिया तो रद्द हो सकती है मान्यता!- कोर्ट ने पहले यूजीसी को केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों से समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना और शिकायतों के आंकड़े एकत्र करने को कहा था। सीनियर वकील इंदिरा जयसिंह ने बताया कि 40 फीसदी

विश्वविद्यालयों और 80 फीसदी कॉलेजों ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई संस्थान जवाब नहीं देता, तो इसे यह समझा जाएगा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यूजीसी को पर्याप्त शक्तियां प्रदान की जाती हैं, जिसमें किसी संस्थान की संबद्धता रद्द करने की शक्ति भी शामिल हो, तो यह प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या की घटनाओं पर चिंता जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई मई 2025 में तय की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 3 जनवरी को रोहित वेमुला और पायल तड़वी की मां की ओर से दाखिल याचिका पर यह निर्देश दिए थे।

बुलडोजर ऐक्शन पर फंस गई भगवंत मान सरकार

● अपराधियों के खिलाफ कर रही थी कार्रवाई,एचसी ने मांगा जवाब

चंडीगढ़ (एजेंसी)। नशा तस्करों की संपत्तियों पर बुलडोजर ऐक्शन को लेकर पंजाब की भगवंत मान सरकार फंसती नजर आ रही है। पीपल वेलफेयर सोसायटी द्वारा दायर याचिका को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मान सरकार से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश शील नागु और न्यायमूर्ति सुमीत गोयल की खंडपीठ ने पंजाब सरकार, पंजाब परिवहन विभाग के सचिव, लुधियाना पुलिस कमिश्नर और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, चंडीगढ़ के

जोनल डायरेक्टर को नोटिस जारी किया है और जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इस मामले में क्या प्रभाव है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि यह निर्णय किसी भी आरोपी के खिलाफ बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए संपत्ति को ध्वस्त करने पर रोक लगाता है, जिसे पंजाब पुलिस को भी मानना चाहिए। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को तय की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी प्रक्रिया के अनुसार संपत्ति जब्त करने के प्रावधानों को लागू करने की मांग की गई है।

अमेरिकी टैरिफ पर चीन और कनाडा की जवाबी कार्रवाई

● मैक्सिको ने भी बना लिए प्लान, टैरिफ के खिलाफ उठाएगा कदम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा और मैक्सिको के खिलाफ घोषित किए गए टैरिफ मंगलवार से लागू हो गए हैं। इससे दुनियाभर में ट्रेड वॉर की आशंका पैदा हो गई है। ट्रंप प्रशासन की योजना के अनुसार, अमेरिका के लिए सभी मैक्सिकन निर्यातों पर 25 प्रतिशत का

शुल्क लगेगा, अधिकांश कनाडाई निर्यातों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा, जबकि ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा। वाइट हाउस की ओर से जारी एक कार्यकारी आदेश के अनुसार, पिछले महीने चीन पर लगाए गए 10 प्रतिशत शुल्क को दोगुना करके 20 प्रतिशत कर दिया जाएगा। 4 फरवरी को ट्रंप ने चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। तीनों देशों ने अमेरिकी टैरिफ पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और जवाबी उपायों का वादा किया है, जो न केवल तीनों के बीच तनाव बढ़ा सकता है।

बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार

खट्टर ने दिया नया नारा, कहा-नीतिश के नेतृत्व में बनाएंगे सरकार

दिलीप जायसवाल बने बिहार भाजपा अध्यक्ष,छोड़ा था मंत्री का पद

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को भाजपा के कार्यक्रम में ऐलान किया कि नीतिश कुमार के नेतृत्व में 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बिहार में बनाएंगे। पटना के बापू सभागार में आयोजित प्रदेश परिषद की बैठक में उन्होंने नारा दिया- बिहार है तैयार फिर से एनडीए सरकार। बैठक में बीजेपी के

प्रदेश अध्यक्ष पद पर दिलीप जायसवाल के नाम की घोषणा की गई। मनोहर लाल खट्टर ने कहा, नीतिश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनवाए। जातिवाद से ऊपर उठ कर काम करना है। मोदी जी ने जाति से ऊपर उठकर कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न दिया है। शहरी विकास और पावर डिपार्टमेंट मेरे पास है, बिहार की जो जरूरत है बताइए, हम मदद करेंगे। मंत्री जीवेश मिश्रा को भी बोल दिया हूं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, अगले 6 महीने में सभी कार्यकर्ता सभी सीट को भाजपा की सीट समझकर जिताएं।

सचिन को नाखूनों से नोचा...

● जान बचाने के लिए खूब लड़ी थी कांग्रेस नेत्री ● हिमानी नरवाल हत्याकांड में पुलिस का खुलासा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि सचिन ने मोबाइल फोन के चार्जर की तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस दौरान अपनी जान बचाने के लिए हिमानी ने खूब संघर्ष किया था। इस दौरान हिमानी के नाखून लगने से सचिन के हाथों पर भी चोटें आई थी। इससे सचिन का खून निकल आया था। सचिन का खून वहां पड़ी रजाई पर लग गया था। इस कारण सचिन ने रजाई का कवर उतारकर उसे भी सूटकेस में शव के साथ ही पैक कर दिया था। इसके बाद वो हिमानी की स्कूटी लेकर कानून्दा स्थित अपनी दुकान पर चला गया। साथ में वह हिमानी की अंगूठियां, सोने की चेन, मोबाइल, लैपटॉप व अन्य आभूषण एक बैग में लेकर गया। फिर दोबारा आकर हत्या की।

सरपंच हत्याकांड की बलि चढ़ गए मंत्री धनंजय मुंडे

महाराष्ट्र के मंत्री पद से देना पड़ा इस्तीफा,था भारी दबाव

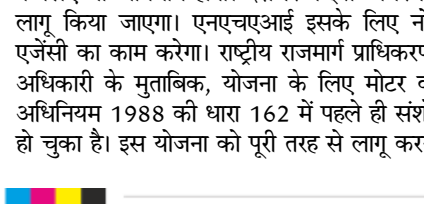

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड में सरपंच हत्या मामले में एनसीपी अजित पवार गुट के विधायक और मंत्री धनंजय मुंडे ने इस्तीफा सौंप दिया है। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मुंडे से इस्तीफा मांगा था। उन्होंने इसके लिए एनसीपी प्रमुख अजित पवार और पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल से भी बातचीत की थी। मुंडे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री थे। आरोप है कि बीड में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड का हाथ है। एटीएस ने कराड को हत्या का मास्टरमाइंड बताया है। हत्या से जुड़ी तस्वीरें अब सामने आई हैं।

अयोध्या साजिश

अब्दुल के लिंक तलाश रही एटीएस,8 शहरों में छापा

आतंकी संगठन ने ब्रेनवॉश किया, कहा-अयोध्या में तुम पर जुल्म हुआ,अब बदला लो

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के अब्दुल रहमान की गिरफ्तार के बाद एटीएस ने छापेमारी शुरू कर दी है। 8 शहरों में संदिग्धों के घरों को खंगाला जा रहा है। उनके परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अब्दुल रहमान से मिले इनपुट के आधार पर की जा रही है। एटीएस की टीम ने मंगलवार सुबह 4 बजे से अयोध्या, गोंडा, आजमगढ़, मऊ, सहारनपुर, लखनऊ, कानपुर और बलिया में डेरा डाल रखा है। यहां संदिग्धों की तलाश कर रही है। वहीं बलिया के सुखपुरा थाने के

बुडिया गांव में कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है। आतंकी संगठन ने अब्दुल का ब्रेनवॉश किया। वीडियो भेजकर कहा- अयोध्या में तुम लोगों पर जुल्म हुआ है। अब तुम लोगों को इस जुल्म का बदला लेना है। अब्दुल के मोबाइल से ऐसे वीडियो मिले हैं। पुलिस के मुताबिक वह जिस आतंकी संगठन के ग्रुप से जुड़ा था, उस पर लगातार मैसेज आ रहे थे कि अयोध्या में तुम्हारे साथ गलत हुआ...अब बदला लेने का वक्त आया है। 2 मार्च को केंद्रीय एजेंसी के इनपुट के आधार पर फरीदाबाद के सोहना रोड स्थित पाली इलाके में रविवार रात एक खंडहरनुमा मकान से अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी की गई थी। उसके पास से 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए थे। गुजरात एटीएस ने पाली इलाके से गिरफ्तार किया था।

अच्छी खबर | इसी महीने से व्यवस्था,1.5 लाख तक खर्च उठाएगी सरकार

रोड एक्सीडेंट में घायलों को मिलेगा 'मुफ्त' इलाज

● हरियाणा और पंजाब समेत 6 राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोड एक्सीडेंट में घायलों को इसी महीने यानी मार्च 2025 से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से

पहले बीते 5 महीनों में पुद्दुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो सफल रहा। ऑफीसर ने बताया कि घायल को पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू हो जाएगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेंगे। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा। नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना लॉन्च की थी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरू किया था। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को गडकरी ने योजना को देशभर में ऑफिशियली लॉन्च करने की घोषणा की। इससे देश में कहीं भी रोड एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए भारत सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे वह 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा। डेढ़ लाख से ऊपर खर्च पर खुद पैसे देने होंगे अस्पताल को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रेफर करना है तो उस अस्पताल को सुनिश्चित करना होगा कि जहां रेफर किया जा रहा है, वहां मरीज को दाखिला मिले। डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा।

पूर्णिया में 200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद, डीएम से समाधान निकालने की गुहार

रास्ते के विवाद को लेकर दो समुदाय में तनाव की स्थिति

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में रास्ते के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मामला, बायसी थाना क्षेत्र के शर्मा टोली गांव का है, जहां रास्ता न होने से 200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद हो गए हैं। लोग पिछले 4 दशकों से निजी सड़क का इस्तेमाल कर अपने घरों तक आते जाते थे। हालांकि बाद में इस जमीन पर अपना दावा करते हुए एक समुदाय ने रास्ता बंद कर दिया। वहीं इस मामले को लेकर लोगों ने डीएम से रास्ते का समाधान निकालने की गुहार लगाई है।

पूजा-पाठ करने से भी रोका जाता है

पीड़ितों का कहना है कि उन्हें कच्चे और खराब रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। रास्ता न होने के कारण गांव में किसी की शादी हो पा रही है। साथ ही गांव में किसी की तबीयत अचानक से बिगड़ने पर उन्हें सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। इतना ही नहीं विशेष समुदाय पक्ष के लोग उन्हें पूजा-पाठ करने से भी रोकते हैं और धार्मिक अवसरों पर लाउडस्पीकर तक बजाने से रोका जाता है। सोमवार को हिंदू समाज से जुड़े सभी ग्रामीण अपनी समस्याओं के साथ डीएम कुंदन कुमार से मुलाकात करने पहुंचे। आवेदन सौंप रास्ते का विवाद सुलझाने का आग्रह किया। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते की मांग को लेकर उन्होंने एसडीएम कोर्ट में फरियाद लगाई थी। एसडीएम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला भी सुनाया, लेकिन बाद में सिविल कोर्ट में फैसला बदल गया और विशेष समुदाय के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद उनलोगों ने जिले के ष्ठरूकुंदन कुमार को आवेदन देकर गांव तक जाने के लिए रास्ते की मांग की है।

12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद

ग्रामीण पुष्पा देवी, सुधा देवी, बिंद लाल शर्मा, सुमन कुमार ने बताया कि वो लोग पिछले चार दशक से भी अधिक वक्त से बायसी के शर्मा टोली गांव में रह रहे हैं। उनके इलाके के चारों तरफ मुस्लिम बस्ती है। उनके गांव तक जाने के लिए एक मात्र रास्ता है। इस पर विशेष समुदाय ने अपना दावा करते हुए रास्ता बंद कर दिया। महज 12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद हो गया है। उनका कहना है कि उन लोगों ने जमीन मालिक को रास्ते के लिए एक लाख रुपए भी दिए थे, लेकिन बाद में समाज के बढ़ते दवाब के कारण जमीन मालिक ने पैसा लौटा दिए। अब हालात ऐसे हैं कि गांव तक जाने के लिए चारों तरफ से रास्ता बंद कर दिया गया है। इसके कारण पिछले 6 महीने से उन्हें दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वो अपने ही घर में बंद हैं।

भागलपुर में बदमाशों ने किसान को मारी गोली, घायल

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में सोमवार देर रात बदमाशों ने किसान मिथलेश कुमार को गोली मार दी। घटना, जिले के घोघा थाना क्षेत्र के कोडवार इलाके की है। मिथलेश खेत में चल रहे पटवन को देखने के लिए देर रात पहुंचा था। इसी दौरान बदमाशों ने उसपर फायरिंग कर दी। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर घायल के परिजन मौके पर पहुंचे, इसके बाद घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में तैनात डॉक्टर ने घायल को एक्स-रे करवाने के लिए भेजे, करीब एक दर्जन एक्स-रे कराया गया, लेकिन बुलेट का पता नहीं चल पाया। फिलहाल उनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है।

छानबीन में जुटी पुलिस : घायल मिथलेश ने बताया कि खेत में चल रहे पटवन को देखने के लिए गया था, अचानक से मेरे ऊपर गोली चलाई। जिसके बाद हम गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। तभी मेरे फुआ का बेटा आया। और उठाकर मायागंज अस्पताल पहुंचाया है।

उन्होंने आगे बताया कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। गोली मेरे पर क्यों चलाया मुझे पता नहीं। घायल के फुफेरे भाई ने बताया कि गोली की आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे इसके बाद मिथलेश अचेत अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ था। उनको किसी तरह अन्य स्वजनों के साथ मिलकर मायागंज अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक-ट्रक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा घायल

रोहतास में मैच देखकर घर लौट रहे थे दोनों, इलाज के दौरान गई जान

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के काराकाट थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम बिक्रमगंज-डेहरी स्टेट हाइवे पर एक बाइक असंतुलित होकर ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान देवेंद्र चौधरी के इकलौते बेटे अंकित कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल की पहचान और उनके ममेरे भाई शुभम राज के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम स्थित सदर अस्पताल भेज दिया।

घर लौटने के दौरान हुआ हादसा : परिजनों ने बताया कि दोनों युवक मैच देखने गए थे। वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। अंकित ने इसी साल बीएससी की पढ़ाई पूरी की थी और एसएससी की तैयारी कर रहा था। शुभम राज बिक्रमगंज निवासी जितेंद्र चौधरी का बेटा है। उसे गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है।

बाढ़ में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, सड़कों पर फैली गंदगी

सैलरी बढ़ाने की मांग, कहा- मजबूरन आंदोलन कर रहे हैं, कोई सुनने वाला नहीं

पटना, एजेंसी। बाढ़ नगर परिषद के 250 सफाई कर्मचारी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। सोमवार से ही शहर में साफ-सफाई का काम ठप पड़ा है। सड़कों पर कचरा फैला हुआ है। गंदगी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि पहले सफाई का बजट 19 लाख रुपए था। तब भी उनका वेतन कम था। अब बजट बढ़कर 45 लाख रुपए हो गया है। इसके बाद भी वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। कोई सुनने वाला नहीं है। मजबूरन आंदोलन करना पड़ रहा है। डस्टबिन और अन्य सामानों की खरीद में बड़ी मात्रा में कमीशन लिया जा रहा है। नाली सफाई, सामान्य सफाई और डोर-टू-डोर सफाई के नाम पर तीन अलग-अलग चरणों में लाखों रुपए निकाले जाते हैं। सफाई एजेंसी के रंजन कुमार ने बताया कि 250 सफाई कर्मचारियों को बिहार सरकार के मानकों के अनुसार वेतन दिया जाता है। 40 लाख रुपए प्रति माह के खर्च में वेतन के अलावा वाहनों का मेंटेनेंस, पेट्रोल और अन्य खर्च भी शामिल है। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार रजक ने कर्मचारियों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लिखित रूप में लेंगे।

होली पर बिहार के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला

पटना, एजेंसी। रंगों का त्योहार होली इस साल 14 मार्च को मनाई जाएगी. इस पर्व पर बिहार से बाहर रहने वाले लोग घर आते हैं. हालांकि ट्रेन में भीड़ के कारण टिकट नहीं मिल पाते हैं, जिस वजह से लोग घर नहीं आ पाते हैं. ऐसे में रेलवे ने होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. पटना, दानापुर, छपरा और दरभंगा समेत कई स्टेशनों के लिए ट्रेन चलाई जाएंगी.

होली पर बिहार के लिए स्पेशल ट्रेन

रेलवे की ओर से उधना-पटना के बीच होली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी, जबकि वलसाड-दानापुर के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है. इसके अलावे आनंद विहार से दरभंगा-रक्सौल से बरौनी-गोरखपुर से रांची के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. रेलवे की ओर से उधना-पटना सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन 7 मार्च से 27 जून तक किया जाएगा.

पटना-पुरी स्पेशल ट्रेन

होली को देखते हुए पटना-पुरी स्पेशल ट्रेन की अवधि विस्तार भी जून तक कर दी गई है. यह ट्रेन 8 मार्च से 28 जून तक चलाई जाएगी. पुरी से पटना वाले आने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार को चलाई जाएगी. वहीं वलसाड-दानापुर के बीच भी स्पेशल ट्रेन का परिचालन 30 जून तक होगा. यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को वलसाड से और प्रत्येक मंगलवार को दानापुर से चलाई जाएगी.

छपरा-आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेन

छपरा से आनंद विहार के बीच भी बुधवार से स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. आनंद विहार टर्मिनल से छपरा के लिए इस होली स्पेशल ट्रेन (संख्या 05114) का परिचालन प्रत्येक गुरुवार को होगा. इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी के 6 कोच के अलावा 22 कोच होंगे. फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाने से होली में यात्रियों को काफी सुविधा होगी. वैसे अभी पूर्व मध्य रेलवे और अन्य ट्रेनों की भी घोषणा करने वाली है. बहुत जल्द दिल्ली-मुंबई-कोलकाता से भी बिहार आने वाले होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा की जाएगी. सीपीआरओ, पूर्व मध्य रेलवे सरस्वती चंद्र का कहना है कि बहुत जल्द ही आनंद विहार दरभंगा आनंद विहार से दानापुर नई दिल्ली से पटना के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा की जाएगी. फिलहाल आनंद विहार से छपरा के लिए एक होली स्पेशल ट्रेन कल से चलाई जाएगी.

उधना-पटना के बीच चलेगी ट्रेन

वहीं, इस ट्रेन की वापसी 8 मार्च से 28 जून तक करने का निर्णय लिया गया है. यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन पटना से प्रत्येक शनिवार और एक दिन उधना से शुक्रवार को परिचालित की जाएगी. पटना से यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार को एक बज कर 5 मिनट पर रवाना होगी. वहीं उधना से शुक्रवार को सुबह 8:35 पर रवाना होगी. इस ट्रेन का ठहराव दीनदयाल उपाध्याय, आरा, बक्सर और पटना में दिया गया है.

150 साल पुरानी राधा-कृष्ण की मूर्ति और मुकुट गायब, जांच में जुटी पुलिस

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के पोठिया थाना क्षेत्र के लालचंद्र गांव स्थित ठाकुरबाड़ी से 150 वर्ष पुरानी राधा-कृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति चोरी हो गई है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी श्याम तिवारी ने बताया कि रात में जब वे जागे तो मंदिर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो राधा-कृष्ण की मूर्ति और चांदी का मुकुट गायब था। जिसके बाद उन्होंने तुरंत मंदिर कमेटी और पुलिस को सूचित किया। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य और सेवादार अमरेंद्र माधव के अनुसार, यह बेशकीमती मूर्ति उनके पूर्वजों द्वारा स्थापित की गई थी। मूर्ति की वास्तविक कीमत का अनुमान लगाना मुश्किल है। घटना की सूचना मिलते ही पोठिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार दल-बल के साथ जांच कर रहे हैं। उन्होंने जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मौके पर भारी संख्या में भीर जुट गई है।

लापरवाह थानेदार समेत तीन पुलिस अधिकारियों पर गिरी गाज, एसपी ने किया निलंबित

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर में पुलिस कप्तान ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी समेत तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. एसपी ने इस कार्रवाई के जरिये यह स्पष्ट कर दिया है कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जिसके बाद अन्य पदाधिकारी भी सहम गए हैं. देर रात तक ग्रामीण सड़कों पर भी पुलिस पेट्रोलिंग करती नजर आ रही है.

थानेदार समेत तीन पर गिरी गाज

बक्सर पुलिस की सोशल मीडिया हैंडल से यह जानकारी उपलब्ध कराई गई है कि डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत तिलक राय के हाता ओपी के थाना प्रभारी लाल बाबू सिंह, यातायात थाने में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार और सहायक अवर निरीक्षक नरेश कुमार चौधरी को कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है. एसपी की इस कार्रवाई के बाद सिपाही से लेकर एसडीपीओ तक सतर्क हो गए हैं.

लापरवाही बरतने के आरोप में एक्शन

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कर दिया है कि लापरवाही बरतने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा. पिछले दिनों क्राइम मीटिंग के दौरान ही उपस्थित पुलिस कर्मियों को एसपी ने सख्त निर्देश देते हुए स्पष्ट कर दिया था कि नागरिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले चाहे कोई भी अधिकारी हो, उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी. जिसका असर सोमवार को देखने को मिला और तीन पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है.

नए अंदाज में एसपी से लेकर थानेदार

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने जिले में शांति-व्यवस्था को कायम रखने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं. सतर्क बक्सर पुलिस, आठो पहर, शाम दोपहर समेत कई स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. जिसका सकारात्मक परिणम भी आने लगा है. 24 म7 डायल 112 की टीम से लेकर, थानेदार, एसडीपीओ और खुद एसपी भी सड़कों पर देर रात दिखाई दे रहे हैं. जिसके कारण जिले में क्राइम कंट्रोल करने में पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है.

शादी के लिए एक घंटा की रिहाई, फिर दूल्हा गया जेल, जिसके अपहरण में लगी हथकड़ी उसी के साथ लिए सात फेरे

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान में अनोखी शादी की चर्चा खूब हो रही है. दरअसल, यह शादी एक आम लड़की और कैदी में हुई. मामला जिले के गोरिया कोठी थाना क्षेत्र से जुड़ा बताया जा रहा है. इस शादी में पुलिस और वकील गवाह बने.

प्रेम प्रसंग का मामला

बताया जा रहा है कि गोरिया कोठी थाना क्षेत्र के रहने वाले एक लड़का का लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था. दोनों एक दूसरे को काफी पसंद करते थे, लेकिन दोनों के माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं थे. दोनों ने भाग कर शादी करने का फैसला किया.

प्रेमिका के अपहरण में जेल

एक साल पहले दोनों आपसी बातचीत के बाद कुछ दिन के लिए कहीं चले गए थे. भागने की तैयारी में थे तभी लड़की के परिजनों ने लड़का पर अपहरण का केस कर दिया. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

एक घंटा के लिए रिहाई

बताया जा रहा है कि यह मामला करीब 1 साल से न्यायालय में चला रहा है. दोनों पक्ष की सुनवाई हुई और काफी बहस के बाद सोमवार को माननीय कोर्ट के द्वारा युवक को शादी के लिए एक घंटा के लिए जेल से रिहा किया गया.

जमानत के लिए करेंगे अपील

इस पल के गवाह वकील और पुलिसकर्मी बने. यह शादी काफी चर्चा का विषय भी बना हुआ है. अनोखी शादी को लेकर न्यायालय का भी लोग खूब तारीफ कर रहे हैं. दूसरी तरफ वकील भी इसी शादी के आधार पर जमानत दिलाने की कोशिश करेंगे ताकि नव विवाहित जोड़ा अपनी नई जिंदगी शुरू कर सके. अधिवक्ता प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि लड़के और लड़की ने कोर्ट में आवेदन देते हुए अपील की थी कि हम दोनों अपनी शादी को हिंदू रीति रिवाजों के तहत स्थापित करना चाहते हैं. कोर्ट ने आदेश दिया कि एक घंटे के अंदर दोनों मंदिर में शादी करें और कोर्ट को सूचित करें. कोर्ट के आदेश पर शादी करायी गयी है.

शादी के बाद जेल

जैसे ही न्यायालय ने यह आदेश दिया, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपी को न्यायालय परिसर में स्थित राधा कृष्ण मंदिर में लाया गया. पहले से प्रेमिका मौजूद थी. दोनों की हिंदू रीति रिवाज से शादी हुई और फिर दूल्हा को जेल भेज दिया गया.

पटना एयरपोर्ट से 43 जोड़ी फ्लाइट भड़ेंगी उड़ान

पटना, एजेंसी। बिहार में पटना एयरपोर्ट से अन्य शहर जाने को लेकर नया फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया गया है. पहले पटना एयरपोर्ट से 39 जोड़ी फ्लाइट का परिचालन किया जा रहा था, उसको बढ़कर 43 जोड़ी किया गया है. पटना एयरपोर्ट से देवघर जाने वाले फ्लाइट को इंडिगो ने बंद करने का निर्णय लिया है. यात्रियों की संख्या कम होने के कारण ऐसा किया गया है, जबकि नए शेड्यूल में भुवनेशर दिल्ली कोलकाता और बेंगलूर के लिए एक-एक नई फ्लाइट दू गई है.

होली से पहले यात्रियों को तोहफा

मौसम सही होने के कारण अब पटना एयरपोर्ट से फ्लाइट का परिचालन सुबह 7:10 से लेकर रात 11:25 तक होगा. इससे पहले फ्लाइट का परिचालन सुबह 9 बजे से रात में 9:20 तक ही होता था. होली नजदीक आते ही एयरलाइंस कंपनी ने दिल्ली के लिए एक जोड़ी फ्लाइट को बढ़ाया है. पहले पटना दिल्ली के बीच 12 जोड़ी फ्लाइट उड़ान भरा करती थी, जिसे अब 13 जोड़ी कर दिया गया है.

क्या है आखिरी फ्लाइट का टाइम?

वहीं मुंबई के लिए पहले की तरह 4, हैदराबाद के लिए 5, बेंगलुरु के लिए 6 से बढ़कर अब 7 जोड़ी फ्लाइट हो गए हैं. वहीं कोलकाता के लिए 3 से बढ़कर 4 जोड़ी फ्लाइट हो गए हैं पूरे कर के लिए रोजाना दो फ्लाइट हो गया है पटना एयरपोर्ट पर पहला विमान कोलकाता से सुबह 7:10 पर लैंड करेगा, जबकि आखिरी फ्लाइट पटना से बेंगलुरु जाएगी. जो रात में 11:00 बज कर 25 मिनट पर टेक ऑफ करेगी.

कई नई फ्लाइट की हुई शुरूआत

बता दें कि दिल्ली के लिए पटना एयरपोर्ट से पहले फ्लाइट सुबह में 8:30 पर होगी जो 10:00 करीब दिल्ली पहुंचाएगी. नई फ्लाइट की अगर बात करें तो कोलकाता पटना के लिए इंडिगो ने नई फ्लाइट सेवा शुरू की है. वहीं चंडीगढ़ पटना और भुवनेश्वर के लिए इंडिगो ने एक फ्लाइट शुरू की है. स्पाइस जेट ने दिल्ली-पटना के लिए एक जोड़ी फ्लाइट को बढ़ाया है, इंडिगो ने भी पटना-बेंगलुरु की एक फ्लाइट को शुरू किया है.

होली पर बिहार आने वाले यात्रियों के लिए राहत

वहीं होली को देखते हुए विमान कंपनियों ने पटना एयरपोर्ट से चार जोड़ी नए फ्लाइट की शुरुआत की है. जिसमें भुवनेश्वर, दिल्ली, कोलकाता और बेंगलुरु के लिए एक-एक जोड़ी विमान को कल से परिचालित किया जाएगा. यानी पटना एयरपोर्ट पर जो शेड्यूल जारी किया है. वह 5 मार्च से लागू हो जाएगा. निश्चित तौर पर होली पर्व में बिहार आने वाले यात्रियों के लिए यह राहत की खबर है.

अररिया की प्रज्ञा मेहंदी से बना रहीं बिहार का नक्शा, 18 मीटर लंबा होगा अनूठा मानचित्र

अररिया, एजेंसी। अररिया की एक युवा कलाकार प्रज्ञा ठाकुर ने बिहार के सांस्कृतिक धरोहर को एक अनूठे तरीके से प्रस्तुत करने का बीड़ा उठाया है। वह 18 मीटर लंबा बिहार का मानचित्र बना रही हैं, जिसमें राज्य के सभी 38 जिलों की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जाएगा। कुर्साकाटा बाजार की रहने वाली प्रज्ञा अपने इस मानचित्र में स्थानीय साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु और प्रसिद्ध काली मंदिर जैसी विरासतों को प्रमुखता से दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि पेंटिंग का शौक उन्हें अपने भाई से मिला, जो वर्तमान में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं।

मेहंदी से बनाती है पेंटिंग : इस विशेष मानचित्र की खास बात यह है कि इसमें रंग भरने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाएगा। प्रज्ञा के अनुसार इस कार्य में लगभग 8-10 किलो मेहंदी की आवश्यकता होगी। उनका लक्ष्य है कि बिहार दिवस से पहले इस कलाकृति को पूरा करके जिला प्रशासन की प्रदर्शनी में प्रस्तुत करें। प्रज्ञा की कलात्मक महत्वाकांक्षाएं यहीं नहीं रुकतीं। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी एक प्रतिमा भेंट करना चाहती थीं। हालांकि प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बदलाव के कारण यह संभव नहीं हो पाया।

संक्षिप्त समाचार

एलएनडी कॉलेज में सहायक प्राध्यापक का किया गया स्वागत

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर योगदान देने वाले डॉ. के के कृष्णा का महाविद्यालय बूटा इकाई के द्वारा स्वागत किया गया। गौरतलब हो कि डॉ. के के कृष्णा का तबादला जयप्रकाश विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय, गोपालगंज से एलएनडी कॉलेज में हुआ है। डॉ. के के कृष्णा दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. कृष्णा के अनुभवों से महाविद्यालय के विकास में सहुलियत होगी। बूटा महाविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार और सचिव डॉ. कुमार राकेश रंजन ने भी संयुक्त रूप से पुष्प गुच्छ देकर नए सदस्य का स्वागत किया। डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि नए नए प्राध्यापकों के आने से महाविद्यालय में शोधपरक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का वातावरण बन रहा हैं।महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने कॉलेज में बेहतर माहौल बनाए रखने के लिए सभी प्राध्यापकों और कर्मियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी ने भी पुष्प देकर नवपदस्थापित प्राध्यापक का स्वागत किया।

24 लाख नेपाली व 37 हजार भारतीय रुपये के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी । एसएसबी जमुनिया पोस्ट के जवानों ने मंगलवार की दोपहर गुप्त सूचना के आधार पर इंडो-नेपाल बार्डर के झरौखर गांव के समीप पिलर संख्या 357/03 के पास बाइक सवार एक तस्कर को 24 लाख 71 हजार 400 नेपाली रूपये और 37 हजार 7 सौ भारतीय रुपये व मोबाइल फोन के साथ हिरासत में लिया है। पकड़े बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 05AL 6632 है।गिरफ्तार तस्कर की पहचान घोड़ासहन थाना क्षेत्र के चाट मोहल्ला निवासी अवनीश कुमार पिता दीनानाथ प्रसाद के रूप में हुई है।एसएसबी ने आवश्यक पूछताछ के बाद गिरफ्तार तस्कर को झरोखर थाना पुलिस को अग्रतर कारवाई के लिए सौपा है।

आपसी विवाद में जहर देकर मारने का प्रयास, महिला बीमार

नीजी अस्पताल में इलाज जारी

बीएनएम। मोतिहारी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र कटहा लोकनाथपुर मे पति पत्नी आपसी विवाद को लेकर पत्नी को जहर देकर मारने का किया गया प्रयास। वही निजी अस्पताल में घायल सरिता देवी का चल रहा है इलाज। घायल सरिता देवी के बेटी अंजली कुमारी ने बताया कि मम्मी और पापा में कुछ कहा सुनी हो रही थी तभी पापा हम लोगों को घर में बंद कर दिए और हमारी मम्मी को पापा और कुछ लोग और मिल कर मम्मी को कुछ खिला दिए हैं तब से तबीयत खराब हो गया है। हम घर के दीवाल फान कर अस्पताल आए हैं। और अपने नानी को खबर दिए हैं। वही मंजय पासवान का शादी बड़ा बरियारपुर सुरेंद्र पासवान के लड़की के साथ हुआ था।

गरीब विरोधी बिहार सरकार की बजटः पूनम देवी

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राजद महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि बिहार सरकार के द्वारा पेश किया गया आम बजट 2025-26 में बिहार के लोग के पलायन को रोकने की कोई चर्चा नहीं की गई। नए उद्योग लगाने को लेकर भी कोई चर्चा नहीं। स्मार्ट मीटर जैसे भ्रम जाल जिससे लाखों लोग ठगे जा चुके है कोई चर्चा नहीं। बढ़ते क्राइम को देखते हुए महिला सुरक्षा के लिए कोई विशेष नहीं। यह बिहार की एनडीए सरकार की विदाई का बजट है। लोक-लुभावने और जुमलेबाजी वाली घोषणा नीतीश सरकार करेगी लेकिन जनता झांसे में नहीं आने वाली है। बिहार की जनता समझ चुकी है। यह पूरी तरह से एनडीए सरकार की विदाई की बजट है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता तेजस्वी यादव पहले से भी अपराध, भ्रष्टाचार, महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं।

भूमि सुधार कर्मचारी संघ के अनिश्चितकालीन हड़ताल का राजस्व कर्मचारियों ने समर्थन किया

बीएनएम। केसरिया, पू.च। बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के मंगलवार से जारी राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल का अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों ने समर्थन किया है। इस अनिश्चितकालीन हड़ताल के समर्थन में अंचल के सभी राजस्व कर्मचारियों ने कार्य से अपने को अलग रखा। जिसके कारण दाखिल-खारिज सहित राजस्व सम्बंधित अन्य कार्यों पर असर पड़ा है। जानकारी है कि गृह जिला में पदस्थापना करने, 2800 सौ ग्रेड पे देने, बायोमेट्रिक हाजिरी से मुक्त करने सहित 17 सूत्री मांग को लेकर राजस्व कर्मचारी मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी इस हड़ताल को पूर्ण समर्थन देते हुए कार्य ठप कर दिया है। इसको लेकर संघ के द्वारा पटना धरना दिया जा रहा है। राजस्व कर्मचारी दीपक कुमार, तौकीर आलम, धीरज कुमार, नीतीश कुमार, संजय कुमार, रमण कुमार, रवि शास्त्री, प्रिंस कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने हड़ताल का समर्थन किया है।

होली मिलन समारोह के आयोजान के लेकर हुई बैठक

बीएनएम। केसरिया, पू.च। प्रखंड के नयागाँव पानशाला स्थित कार्यालय में मंगलवार को विविध कला विकास समिति की सदस्यों की बैठक अध्यक्ष मो आलम के अध्यक्षता आयोजित हुई। बैठक में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सचिव रंजन कुमार ने बताया कि होली मिलन समारोह नयागाँव में अगामी नौ मार्च को आयोजित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि होली मिलन समारोह सामाजिक एकता और सौहार्द का प्रतीक होगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। बैठक में धर्मनाथ कुमार यादव, शंकर पासवान, कुमार गौरव, अवनी किशोर, पंकज कुमार, सोमेश्वर प्रसाद समेत कई लोग उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया में आयोजित आपदा प्रबंधन समिति की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) के सहयोग से मोतिहारी प्रखंड के बरदाहा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और इसके प्रभावी संचालन के लिए विद्यालय के कर्मचारियों और समिति के सदस्यों को जानकारी प्रदान की गई।बैठक की अध्यक्षता वार्ड सदस्य तेतरी देवी ने की। इस अवसर पर बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन के हामिद रजा ने कहा कि बिहार राज्य एक बहु आपदा प्रभावित राज्य है, जो प्रतिवर्ष प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं से प्रभावित होता रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि इन आपदाओं से बच्चों का जीवन सबसे ज्यादा प्रभावित होता है और इस स्थिति से निपटने के लिए समुदाय के हर स्तर पर आपदा प्रबंधन की समझ और तैयारी आवश्यक है।हामिद रजा ने बैठक के दौरान कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बाल रक्षा भारत देश भर में बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रहा है और इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों को आपदा से सुरक्षा देना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के जीवन पर आपदाओं के प्रतिकूल प्रभाव को कम करना, विद्यालयों में नियमित शिक्षा को बाधित होने से बचाना और आपदा जोखिम को कम करने के उपायों की पहचान करना है।इसके अलावा, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के अन्य सदस्यों को आपदा के जोखिमों के प्रति जागरूक करना और उनकी क्षमता को बढ़ाना है ताकि वे किसी भी आपदा के दौरान तुरंत और सही कदम उठा सकें।

आपदा प्रबंधन संस्कृति का विकास- श्री रजा ने बताया कि विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति के माध्यम से विद्यालय परिसर को आपदा जोखिम से सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा, "हमें बच्चों में आपदा प्रबंधन की एक सकारात्मक संस्कृति विकसित करनी होगी, ताकि वे न केवल अपने विद्यालय बल्कि अपने समुदाय को भी आपदाओं से सुरक्षित रख सकें।"समिति के सदस्यों को यह भी बताया गया कि स्कूलों में आपदा सुरक्षा कार्यक्रमों को नियमित शिक्षण प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा ताकि बच्चों के बीच आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता और समझ बनी रहे।

समिति के सदस्य और उनके योगदान- बैठक में बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) के सत्य प्रकाश, राजू पटेल, शिक्षक मनोज राम, नेहा कुमारी, सुबैया खातून, नाजिया खातून, रितिका कुमारी, जूही कुमारी, रंजू कुमारी, सपना कुमारी, प्रिंस कुमार, विकास कुमार, पिंटू कुमार, सचिन कुमार, प्रदीप कुमार, राजन यादव, राजा कुमार, रीना कुमारी, प्रेमचंद प्रसाद और तेतरी देवी (वार्ड सदस्य) सहित विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।बैठक में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने आपदा प्रबंधन के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझी और विद्यालय को आपदा से सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की। समिति के सभी सदस्य इस दिशा में कार्य करने के लिए तैयार दिखे और उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

निष्कर्ष- बाल रक्षा भारत द्वारा आयोजित यह बैठक मोतिहारी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाने और उसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की सक्रिय भागीदारी और जागरूकता से बच्चों के जीवन को आपदाओं से बचाने में सहायता मिलेगी और विद्यालय परिसर को सुरक्षित बनाना संभव हो सकेगा।

सामाजिक कार्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्नः महावर

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में 'गांधीवादी दृष्टिकोण से सामाजिक कार्यः संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के गांधीवादी एवं शांति अध्ययन विभाग तथा सामाजिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय गांधीवादी अध्ययन सोसायटी के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव रहे, जबकि संयोजक प्रो. सुनील महावर थे। संगोष्ठी के दौरान आठ तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने भाग लिया।मुख्य वक्ताओं में प्रो. शीला राय, प्रो. संजय पासवान, प्रो. हिमांशु बौराई, प्रो. प्रेमानंद मिश्रा, प्रो. तपन आर. मोहंती, प्रो. अर्चना शर्मा और प्रो. रजनीकांत पांडेय शामिल रहे। उन्होंने गांधीजी के सामाजिक कार्यों, सत्याग्रह, अहिंसा, ग्रामीण विकास, शिक्षा और समकालीन चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए।संगोष्ठी में विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें गांधीवादी सामाजिक कार्य, आर्थिक समानता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास जैसे विषय शामिल थे।संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रो. सुनील महावर ने धन्यवाद ज्ञापन किया और गांधीवादी सिद्धांतों को आधुनिक समाज में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।उक्त आशय की जानकारी प्रो अनुपम वर्मा एवं प्रो. उपमेश कुमार ने दी।

जिले में "दम्पत्ति सम्पर्क सप्ताह" एवं "परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का होगा आयोजन

स्वास्थ्य कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं सिविल सोसायटी सदस्यों का गतिविधियों में लिया जाएगा सहयोग

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में मिशन परिवार विकास अभियान के अंतर्गत 10 मार्च से 16 मार्च, 2025 तक "दम्पत्ति सम्पर्क सप्ताह" एवं 17 मार्च से 29 मार्च, 2025 तक "परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा।इसको लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियाँ की जा रहीं है।जिले के सिविल सर्जन डॉ रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं के प्रति आमजन में जागरूकता उत्पन्न करना एवं योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना आवश्यक है। पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं सिविल सोसायटी के सदस्यों का विभिन्न गतिविधियों में सहयोग लिया जाएगा। मिशन परिवार विकास अभियान के बेहतर प्रबंधन हेतु विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी/सलाहकार एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी / सलाहकार के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड स्तर पर भी प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में सम्बद्ध विभाग के पदाधिकारी/सलाहकार के साथ समन्वय बैठक होना है। समुदाय स्तर पर आमजन को उत्प्रेरित करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

मीडिया एवं जनप्रतिनिधि करें सहयोग- डीसीएम नंदन झा ने बताया कि स्थानीय सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्यों से उक्त अवधि के दौरान विभिन्न गतिविधियों में सहयोग लिया जायगा। वहीं प्रचार-प्रसार हेतु प्रिंट, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों का उपयोग करते हुये सहयोग लिया जाएगा। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा उपलब्ध कराये गये फ्लेक्स बैनर के माध्यम से सभी स्वास्थ्य संस्थान एवं जन समुदाय में इसका प्रचार किया जाएगा। वहीं अभियान/ पखवाड़ा में ई-रिक्शा का संचालन कराया जाएगा।

पखवाड़ा के दौरान सास-बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया जाना है- पीएसआई के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार ने बताया कि आरोग्य दिवस पर वर्ष में एक बार एवं आंगनबाड़ी केन्द्र पर पखवाड़ा/अभियान के दौरान सास-बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जिन केन्द्रों पर पूर्व में सास बहु बेटी सम्मेलन का आयोजन नहीं हुआ हो तो वैसे केन्द्रों पर माह मार्च 2025 में सास बहु बेटी सम्मेलन का आयोजन किया जाना आवश्यक है। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन दिवस का आयोजन किया जाएगा।

एमजीसीयू में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

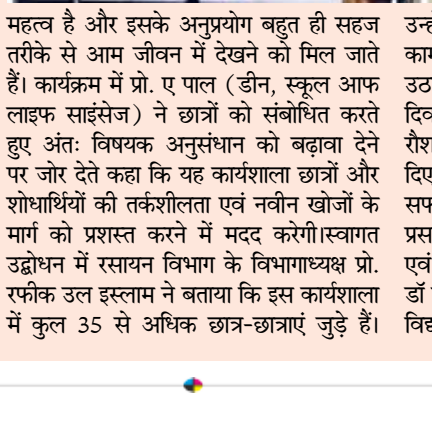

महात्मा गाधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 'ठोस एवं द्रव्य यांत्रिकी में गणितीय मॉडलिंग और विश्लेषण' विषयक पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे।कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. कुंदन कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्गन, नार्वे, प्रो. एस मुखोपाध्याय, आईआईटी बीएचयू, प्रो. रोशन कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ साउथ बिहार, प्रो. एस वर्मा, यूनिवर्सिटी आफ इलाहाबाद, प्रो. नवनीत कुमार, मोतीहारी इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ आनंद कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान, डॉ पंकज मिश्रा, सीयूएसबी, बिहार, डॉ. एम श्रीवास्तव, पीजी कॉलेज, गाजीपुर, डॉ सुप्रिया यादव, एमएनआईटी, इलाहाबाद, डॉ रजनीश कुमार, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ अभिषेक शर्मा, बी एन कॉलेज, पटना, डॉ एमके खंडेवाल, आईआईटी बीएचयू एवं डॉ. श्वेता सेमवाल, एएन कॉलेज, प्रत्यक्ष एवं आभासी माध्यमों से जुड़े रहेंगे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने गणितीय मॉडलिंग के बहुआयामी महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विषय न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बल्कि अर्थव्यवस्था, नीतिगत परिणाम और कूटनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है | उन्होंने शोधकर्ताओं एवं छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन शोध कार्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया जो सैद्धांतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के के साथ-साथ समाज एवं उद्योगों के लिए व्यावहारिक रूप से लाभकारी हैं।कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने गणित विषय की महत्ता पर चर्चा करते कहा कि गणित विषय का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है और इसके अनुप्रयोग बहुत ही सहज तरीके से आम जीवन में देखने को मिल जाते हैं। कार्यक्रम में प्रो. ए पाल (डीन, स्कूल आफ लाइफ साइंसेज) ने छात्रों को संबोधित करते हुए अंतः विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर देते कहा कि यह कार्यशाला छात्रों और शोधार्थियों की तर्कशीलता एवं नवीन खोजों के मार्ग को प्रशस्त करने में मदद करेगी।स्वागत उद्बोधन में रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रफीक उल इस्लाम ने बताया कि इस कार्यशाला में कुल 35 से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़े हैं। उन्होंने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कार्यशाला से अत्यधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यशाला के प्रथम दिवस प्रो. एस डी वर्मा, डॉ पंकज मिश्रा, प्रो. रौशन कुमार एवं प्रो. कुंदन कुमार ने व्याख्यान दिए एवं परिचर्चा में भाग लिया।कार्यशाला को सफल बनाने में कार्यक्रम के संयोजक डॉ राजेश प्रसाद, डॉ अमिताभ ज्ञान रंजन, डॉ पवन कुमार एवं कार्यक्रम के सचिव डॉ बबीता मिश्रा एवं डॉ शिवकुमार सिंह सहित विभाग के शोधार्थियों, विद्यार्थियों ने सक्रिय योगदान दिया।

ऑटो चालक से लूट व जबरन स्कैनर से रुपया ट्रांसफर कराने वाले तीन गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक के मोबाइल स्कैनर से जबरदस्ती 55 हजार रुपया ट्रांसफर करने के मामले में तीन को गिरफ्तार किया। अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बीते एक मार्च को सुगौली से तीन व्यक्ति यात्री बनकर एक टेम्पू फुलवरिया मठिया जाने के लिए रिजर्व किये रास्ते मे परसौना मठिया सड़क में ब्रह्मस्थान के समीप जबरदस्ती टेम्पू चालक नसीम अख्तर से पांच हजार रुपया मांगने लगे और उसके मोबाइल के स्कैनर से जबरन 55 हजार रुपया ट्रांसफर करा लिया गया। उक्त मामले में एसपी स्वर्ण प्रभात के द्वारा अरेराज इंस्पेक्टर पी.के सामर्थ ,थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह सहित पांच सदस्यों की टीम बनाई गई। उक्त टीम ने इस कांड के मास्टर माइंड कोटवा थाना क्षेत्र के जमुनिया जसौली गांव के आलोक कुमार व संग्रामपुर थाना क्षेत्र के प्रताप मठिया गांव के अमित कुमार व बबलू कुमार को गिरफ्तार किया।जिसके पास से टेम्पू चालक नसीम का मोबाइल भी बरामद किया गया। डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि तीनो से पूछताछ की जा रही है,जिसके बाद अन्य कांडों का भी उद्भेदन होगा ।छापेमारी टीम में दरोगा अलका कुमारी ,राहुल कुमार,राजेन्द्र सिंह व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर राजस्व कर्मचारी, कामकाज ठप

बीएनएम। केसरिया। बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के मंगलवार से जारी राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल का अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों ने समर्थन किया है। इस अनिश्चितकालीन हड़ताल के समर्थन में अंचल के सभी राजस्व कर्मचारियों ने कार्य से अपने को अलग रखा। जिसके कारण दाखिल-खारिज सहित राजस्व सम्बंधित अन्य कार्यों पर असर पड़ा है। जानकारी है कि गृह जिला में पदस्थापना करने, 2800 सौ ग्रेड पे देने, बायोमेट्रिक हाजिरी से मुक्त करने सहित 17 सूत्री मांग को लेकर राजस्व कर्मचारी मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी इस हड़ताल को पूर्ण समर्थन देते हुए कार्य ठप कर दिया है। इसको लेकर संघ के द्वारा पटना धरना दिया जा रहा है। राजस्व कर्मचारी दीपक कुमार, तौकीर आलम, धीरज कुमार, नीतीश कुमार, संजय कुमार, रमण कुमार, रवि शास्त्री, प्रिंस कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने हड़ताल का समर्थन किया है।

नय थाना प्रभारी विनीत कुमार ने दिया योगदान

कहा- जनता के सहयोग से अपराध व उग्रवाद पर लगाया जाएगा अंकुश

बीएनएम। पकड़ीदयाल। पताही थाना में थाना प्रभारी के रूप में मंगलवार को विनीत कुमार ने पदभार ग्रहण किया। विदित हो कि निवर्तमान थाना प्रभारी कैलाश कुमार को एसपी ने कर्तव्यहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया है। नये थाना प्रभारी के रूप में विनीत कुमार को कमान सौंपी गई है। नये थाना प्रभारी को जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मौके से नये थाना प्रभारी विनीत कुमार ने कहा कि पताही क्षेत्र में विधि व्यवस्था कायम रहे। बेहतर पुलिसिंग लोगों को मिले। अपराध करने वाले पर पूर्ण रूप से लगाम लगे। इस दिशा में काम करेंगे। अवैध कार्य करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। सभी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि पत्रकार से सहयोग की अपेक्षा करते हुए क्षेत्र में शांति और अपराध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की कोशिश होगी। क्षेत्र में जनता व पुलिस के बीच समन्वय बनाकर शांति स्थापित करना कर्तव्य रहेगा।

विधान परिषद् में मंत्री एवं सदस्यों के बीच नोकझोंक

बीएनएम। पटना। बिहार विधान परिषद् के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही टोका टोकी के बीच शुरू हुआ लेकिन सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चला। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा काफी नोंक झोंक हुआ। राजद के मो सुहेब कारी के बीच नोंक झोंक चला। वहीं महेश्वर सिंह के तारांकित प्रश्न के उत्तर में मंत्री पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह के उत्तर में काफी नोंक झोंक हुआ। पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में नल-जल योजना के तहत 90 प्रतिशत शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही है राज्य में 2047 तक चापाकल मुक्त कर शुद्ध पेयजल नल-जल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।जबकि प्रश्नकर्ता महेश्वर सिंह ने कहा कि नल-जल योजना के तहत 70 से 80 प्रतिशत खराब है इस पर दावे करते हुए कहा कि अगर नल-जल योजना 50 सहीं होगा तो सदन से इस्तीफा कर दुंगा आपस में काफी नोंक झोंक हुआ। इसपर मंत्री ने कहा कि अगर 50 नल-जल खराब हुआ होगा तो इसकी जांच कराएंगे। मंत्री के सहयोग मंत्री अशोक चौधरी खड़ा हो गये और 15 वर्ष वाली शासन की याद दिलाया। बीच में टोकते हुए अब्दुल बारी सिद्दीकी ने अपने आसन पर खडा हो कर कहा कि मंत्री जी कह रहे हैं कि काम हुआ है। सदन के सदस्य कह रहे हैं कि काम नहीं हुआ है तो इसकी जांच सदन की कमेटी से जांच कराई जाए। मंत्री के बीच बचाव में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में नल-जल योजना की शुरुआत की गई थी अगर नल-जल नहीं होता तों पानी पीने से लोग तरस जाते।

2005 से पहले न चांद था-न सूरज, संसार की उत्पत्ति ही इसके बाद हुई' सीएम नीतीश पर तेजस्वी का तीखा तंज

बीएनएम। पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर तीखा तंज किया है। मुख्यमंत्री के बार बार यह कहने पर कि 2005 से पहले बिहार में कुछ नहीं था और जब उनकी सरकार आई तभी बिहार में विकास हुए। मुख्यमंत्री के इस दावे पर तेजस्वी ने खूब तंज किया। दरअसल, बिहार विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सदन के भीतर राज्यपाल के अभिभाषण पर अपने विचार रखे। इस दौरान तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में कुछ कहां था? न चांद था, न तारे थे और ना सूरज था,संसार की उत्पत्ति को 2005 के बाद हुई है। मौजूदा सरकार संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने में लगी हुई है। यह बात सच्चाई है और किसी से छीपी नहीं है। हमको लगता है कि पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में न तो मुख्यमंत्री हैं और ना ही दोनों उपमुख्यमंत्री ही मौजूद हैं। तेजस्वी ने कहा कि सच सुनने का कलेजा होना चाहिए। उम्मीद है कि लोग अपना कलेजा दिखाएंगे और सदन में उपस्थित रहेंगे। वो लोग भी अच्छी तरह से जानते हैं कि इन लोगों का भंडाफोड़ होना है। इस दौरान तेजस्वी ने राज्यपाल के अभिभाषण को घिसा पीटा बताया और कहा कि कि सरकारें बदल जाती हैं और राज्यपाल बदल जाते हैं लेकिन अभिभाषण हर साल वहीं रटा-रटाया वाला होता है। तेजस्वी ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण बड़ा कन्फ्यूज करने वाला रहा है। उन्होंने कहा कि 2015 से 2025 यानी 15 साल में अगर देखा जाए तो बिहार को पांच-पांच राज्यपाल मिले हैं। 2020 से 2025 के बीच मे तीन बार सरकार बदली। दो साल भी किसी सरकार का कार्यकाल नहीं हो पाता है।राज्यपाल कब का अभिभाषण पढ़ रहे थे, लोग पूरी तरह से कंफ्यूजड हैं।

प्रखंड स्तरीय वार्षिक प्रशिक्षण

बीएनएम। बगहाः प्रखंड बगहा एक के सभागार भवन में अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय योजना एवं विकास विभाग बिहार अंतर्गत जिला सांख्यिकी कार्यालय प. चंपारण द्वारा आयोजित कृषि सांख्यिकी से संबंधित पदाधिकारियों के क्षमतावर्द्धन हेतु प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण 2024-25 का आयोजन किया गया।इस प्रशिक्षण में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार, के अलावे बगहा एक एवं दो के प्रखंड कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार,प्रखंड तकनीकी प्रबंधक,अंचल के राजस्व कर्मचारी, कृषि समन्वयक,किसान सलाहकार आदि मौजूद रहें। जिला से आएं जिला सांख्यिकी पदाधिकारी नन्दलाल चौधरी ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण के दौरान कृषि सांख्यिकी क्षेत्रफल संग्रहण,उपज दर अनुमान, बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अधीन फसल बीमा, प्रक्षेत्र मूल्य, कृषि श्रमिकों की दैनिक मजदूरी, साप्ताहिक मौसम फसल प्रतिवेदन, दैनिक वर्षापात प्रतिवेदन, द्रुत जींसवार, सामान्य जींसवार, नेत्रांकन एवं फसल कटनी प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दिए।उन्होंने बताया कि कृषि वर्ष 2024-25 के रबी मौसम से संबंधित कृषि सांख्यिकी के ऑकड़ों के संग्रहण, संकलन एवं निर्धारित अवधि में प्रेषण के विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। वर्तमान समय में इन सभी प्रतिवेदनों को डिजिटल रूप में विभाग द्वारा तैयार किये गए पोर्टल एवं ऐप के माध्यम से प्रेषण हेतु प्रकाश डाला गया साथ ही सरकार के कल्याणकारी नीति यथा राज्य की आयात-निर्यात नीति, खाद्य नीति, मूल्य नीति एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार के अन्य नीतिगत निर्णय लेने में सांख्यिकी ऑकड़ों का महत्त्वपूर्ण भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई।

घर-घर शिक्षा का दीप जलाए बाल विवाह को बन्द कराए: एसडीओ

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत आदापुर प्रखंड के समुदाय से बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त हुई। अग्रिम प्रक्रिया करते हुए प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी द्वारा लिखित आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षु सह बाल विवाह निषेध पदाधिकारी रक्सौल शिवाक्षी दिक्षित, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विवाह निषेध अधिकारी विकास कुमार दैनिक प्रभार आदापुर, प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कुमारी राखी, जिला बाल कल्याण समिति पूर्वी चम्पारण, जिला बाल संरक्षण इकाई पूर्वी चम्पारण, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) पूर्वी चम्पारण एवं आदापुर थाना सब इंस्पेक्टर नूतन कुमारी, व हरपुर थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान को लिखित आवेदन दिया गया। सूचना मिलते ही अनुमंडल पदाधिकारी शिवाक्षी दिक्षित द्वारा संबंधित पदाधिकारी को आदेश दिया गया कि तुरन्त बाल विवाह को रोक लगाया जाए। आदापुर प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा टीम गठन किया गया, जिसमें बाल विकास परियोजना पदाधिकारी आदापुर, रक्सौल, आदापुर थाना, हरपुर थानाध्यक्ष एवम प्रयास टीम मौके पर पहुंच कर हो रहे बाल विवाह/शादी का जायजा लेते हुए लड़की की उम्र सत्यापन की कागजात देखा गया, जिसमें बच्ची नाबालिग पाई गई। अग्रिम प्रक्रिया करते हुए बेलवा पंचायत सचिव सुमित कुमार व बेलवा पंचायत मुखिया जितेन्द्र कुमार सिंह, सरपंच चंद्रिका सिंह, द्वारा पंचनामा के साथ अंडरटेकिंग लिया गया और बाल विवाह को रोका गया। बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अभिभावक व ग्रामीणों को अवगत कराया गया। मौके पर प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक कुमार, उमेश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत

बीएनएम। लखीसराय

नगर थाना क्षेत्र इलाके मे सड़क दुर्घटना के कारण एक वृद्ध व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय एवं मुहल्ले के लोगों के द्वारा इलाज के लिए शहर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा वृद्ध व्यक्ति का इलाज किया गया और इलाज के दौरान वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना के बाद परिजनों में कोहरा मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की पहचान नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या तीन निवासी स्वर्गीय एतवारी महतो के 80 वर्षीय पुत्र जनार्दन महतो के रूप में की गई है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि नाबालिग ई रिक्शा वाहन चालक तेज रफ्तार से अपने वाहन को लेकर जा रहे थे इसी दौरान जनार्दन महतो ई रिक्शा वाहन की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। नगर परिषद के उपाध्यक्ष शिव शंकर राम ने जिला जिला परिवहन पदाधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि डीटीओ की लापरवाही के कारण शहर में नाबालिग लड़के ई रिक्शा वाहन चला रहे हैं जिसके कारण आये दिन घटना घटित हो रही हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से ई रिक्शा वाहन चालक एवं ऑटो चालक की गति पर विराम लगाने तथा नाबालिग द्वारा चलाये जा रहे वाहन चालकों पर रोक लगाने की मांग की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मृतक के आश्रितों को आपदा राहत कोष से मुआवजा देने कज मांग की हैं।

लखीसराय अस्पताल में मृतक के गमगीन परिजन

ग्रामीणों के विरोध के बाद निर्माण कार्य पर रोक

बीएनएम। अरेराज

अरेराज प्रखण्ड अंतर्गत नवादा पंचायत में हो रहे पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्यों को घटिया सामग्री के उपयोग के आरोप मे रोक दिया गया हैं । ग्रामीणों के विरोध के बाद औचक निरिक्षण में पहुंचे योजना एवं विकास विभाग के एसडीओ काशिम अंसारी ने निर्माण कार्यों को रोकते हुये ठीकेदार को कई तरह के निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल हो रहा है। तत्काल कार्य को रोकते हुये निर्माण कार्य से जुड़े लोगों को विभाग के नियमों से अवगत करवाया गया एवं बिभाग के निर्माण निर्देशों से भी अवगत करवाया गया । सख्त निर्देश जारी करते हुये घटिया सामग्री का इस्तेमाल नहीं करने एवं निर्माण कार्यो की गुणवता पर ध्यान रखने पर जोर दिया गया । मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीण को पंचायत सरकार भवन में हो रहे घटिया कार्य के बारे मे बताया गया कि विभाग से पत्र जारी हो चूका हैं । निर्माण कार्यों की गुणवाता के साथ कोई समझौता नहीं होंगी । चिट्ठी निकल चुकी है, कोई भी अगर घटिया कार्य करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई होगी।

बाल्मीकि नगर सांसद ने बाल्मीकि नगर में एयरपोर्ट बनाने की घोषणा पर बिहार सरकार और केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया

बीएनएम। बगहा

बिहार सरकार की बजट 2025-2026 में वाल्मीकिनगर में एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की गई है जिसका बाल्मीकिनगर सांसद स्वागत किया है और इसके लिए बिहार सरकार और केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया है ।ज्ञातव्य हो की वाल्मीकिनगर में एयरपोर्ट के निर्माण के लिए सांसद श्री कुमार ने विगत 6 फरवरी 2025 को माननीय केंद्रीय नगर विमानन मंत्री राम मोहन से भेंट किया था। श्री कुमार ने कहा कि श्री राम मोहन दिल्ली में मेरे पड़ोसी भी हैं जिनसे कई बार अनौपचारिक मुलाक़ात के दौरान मैंने इस संबंध में निवेदन करता रहा हूँ। इसके पहले स्पीलिट एयर कम्पनी के प्रस्ताव के बाद 29 जुलाई को भारतीय विमान पतन प्राधिकरण की संयुक्त सचिव रुबीना अली से मिला था। संसद में भी मेरे द्वारा इस संबंध में सवाल उठाया जा चुका हैं और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को भी पत्र लिखा गया है।ख़ुशी हैं कि केंद्र सरकार द्वारा जो 2025- 2026 का बजट पेश किया गया उसमें भी वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट को ब्राउन फील्ड एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया था। और अब राज्य सरकार के बजट में भी इसका प्रावधान दिया गया हैं जिस कारण अब बाल्मीकिनगर से घरेलू उड़ान भरने के लिए एयरपोर्ट निर्माण का रास्ता साफ हो गया हैं। बाकी सभी जनप्रतिनिधि गण जिन्होंने इसके लिए आवाज़ उठाई सबको अपनी तरफ से आभार व्यक्त करता हूँ। बाल्मीकिनगर एयरपोर्ट शुरू होने से स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को काफी लाभ होगा।

मॉक ड्रिल के माध्यम से दी गई अग्नि सुरक्षा की जानकारी

अग्नि सुरक्षा से बचाव को लेकर प्रशिक्षण देते अग्निशामक कर्मी

बीएनएम। लखीसराय

संग्रहालय में मंगलवार को मॉक ड्रिल के माध्यम से अचानक लगी आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन पदाधिकारी श्री मुन्ना कुमार के नेतृत्व में यह अभ्यास कराया गया, जिसमें संग्रहालयाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार यादव सहित सभी कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों और प्राथमिक अग्निशमन तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण प्रत्येक सरकारी व निजी संस्थानों में आवश्यक रूप से कराया जाना चाहिए, ताकि छोटी आगजनी की घटनाओं को समय रहते नियंत्रित किया जा सके। अभियान में संग्रहालय के प्रभारी राजेश कुमार, शिल्पकर्मी रविराज सिंह यादव, इलेक्ट्रिशियन राहुल कुमार, टिकट कलेक्टर पूनम कुमारी समेत कई कर्मी उपस्थित रहे। सुरक्षा कर्मी अंकित कुमार, ऋतुराज, रजनीश कुमार, अशोक कुमार, मोहम्मद सादिक आलम व अन्य कर्मचारियों ने भी मॉक ड्रिल में भाग लिया। इस दौरान संग्रहालय में मौजूद अग्निशमन यंत्रों की जांच की गई और कर्मचारियों को इनके सही इस्तेमाल की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंत में सभी को सतर्क रहने और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने की हिदायत दी गई।

सौर ऊर्जा के उपयोग पर बल

बीएनएम। लखीसराय

कलेक्ट्रेट स्थित मंत्रणा कक्ष सभागार में मंगलवार को जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। विद्युत विभाग के द्वारा जल जीवन हरियाली दिवस के अवसर पर विद्युत कार्यपालक अभियंता के द्वारा 'सौर ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन एवं ऊर्जा की बचत' विषय पर परिचर्चा किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता, विद्युत के द्वारा जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र एवं उप विकास आयुक्त सुमित कुमार को नव पौधा देकर स्वागत किया गया। स्वागत उपरांत उपस्थित सभी पदाधिकारीयों को परिचर्चा के विषय वस्तु से अवगत कराते हुए कार्यपालक अभियंता, विद्युत के द्वारा लखीसराय जिले में सौर ऊर्जा के बढ़ावा हेतु किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दिया गया।जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र ने सौर ऊर्जा के बारे में बताते हुए कहा की सौर ऊर्जा का जिले में कई प्रकार से प्रयोग हो रहा है, ऑन ग्रीड सौर ऊर्जा का उपयोग सरकारी विद्यालयों एवं सरकारी कार्यालयों में करने से विद्युत के बिल में कमी आती है। पीएम सूर्य घर योजना का उपयोग आम जनता के द्वारा किया जा रहा हैं। परिचर्चा कार्यक्रम में सिविल सर्जन बीपी सिन्हा जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद, कार्यपालक अभियंता, विद्युत के साथ अन्य जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

70वीं बीपीएससी परीक्षा मामले पर पटना हाई कोर्ट में सुनवाई फिर टली

बीएनएम। पटना

70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा लेने की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट में दायर याचिका पर होने वाली सुनवाई मंगलवार को फिर से टल गई। पटना हाईकोर्ट अब आगामी 7 मार्च को इस मामले पर सुनवाई करेगा। पप्पू कुमार व अन्य की याचिकाओं पर एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ इस संबंध में दायर जनहित याचिका सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। दरअसल, दरअसल, 70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा लेने की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी। याचिका में बीपीएससी पर धांधली करने का कथित आरोप लगाया गया था।पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद सिंह चंदेल की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई कर रही थी लेकिन अब इस मामले से जुडी सभी याचिकाओं पर पटना हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस आषुतोष कुमार की खंडपीठ करेगी। बता दें कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस मामले पर सुनवाई की मांग की गई थी लेकिन कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को पटना हाई कोर्ट जाने की सलाह दी थी और याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों के एक गुट ने पटना हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर परीक्षा को फिर से कराने की मांग की थी। कोर्ट ने रिजल्ट रोकने से इनकार किया था। जिसके बाद बीपीएससी ने पीटी परीक्षा का रिजल्ट पिछले दिनों घोषित कर दिया था। प्रारंभिक परीक्षा में 328990 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था जिसमें कुल 21581 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। आयोग ने 45 दिनों में परिणाम जारी कर दिया था। आयोग ने बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग के बीच परिणाम की घोषणा किया था।

नगर परिषद 232 करोड़ से होगा विकास

बीएनएम। लखीसराय

सामान्य बोर्ड की बैठक में उपस्थित नप सभापति एवं मान्य अन्य

नगर परिषद की सामान्य बोर्ड बैठक सोमवार को नगर परिषद अध्यक्ष अरविंद कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 2025-26 के बजट पर चर्चा हुई और इसे अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। इस बार का बजट 232.51 करोड़ रुपये का प्रस्तावित किया गया है, जिसमें पेयजल, सड़क, नाली, मंदिर विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और पुस्तकालय निर्माण जैसी योजनाएं शामिल हैं। हालांकि, इस बजट में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठ रहे हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बजट में प्रमुख योजनाएं

नगर परिषद के बजट में सबसे अधिक राशि पेयजल और जल जीवन हरियाली योजना के तहत 22.15 करोड़ रुपये आवंटित की गई है, जबकि सड़कों, गलियों और नालियों के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके अलावा, अशोक धाम मंदिर के श्रद्धालु कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये, नगर परिषद क्षेत्र में विवाह भवन और अतिथि गृह के लिए 15 करोड़, पुलिया एवं ड्रेनेज सिस्टम पर 77.50 करोड़ और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 13.50 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, वेतन, मानदेय, पार्षद भत्ता और पेंशन पर 6.42 करोड़, स्ट्रीट लाइट मरम्मत और बिजली व्यवस्था पर 7.50 करोड़, स्वच्छ भारत मिशन के लिए 2.40 करोड़ और डीलक्स टॉयलेट व मेट्रो टॉयलेट पर 7 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है।

नगर परिषद क्षेत्र में पुस्तकालय निर्माण का प्रस्ताव

इस बजट में नगर परिषद उपसभापति शंकर राम द्वारा नगर क्षेत्र में एक सार्वजनिक लाइब्रेरी (पुस्तकालय) बनाने का भी प्रस्ताव रखा गया। इस लाइब्रेरी के निर्माण का उद्देश्य छात्रों, शोधार्थियों और आम नागरिकों को एक अध्ययन केंद्र उपलब्ध कराना है। हालांकि, लाइब्रेरी के लिए कितनी राशि आवंटित की गई है, यह स्पष्ट नहीं किया गया।

बजट में पारदर्शिता का सवाल

बजट में बड़े पैमाने पर धनराशि विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटित की गई है, लेकिन इसका सही तरीके से क्रियान्वयन होगा या नहीं, यह सवाल उठना लाजिमी है। पहले भी देखा गया है कि नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित योजनाएं समय पर पूरी नहीं होती हैं, और कई योजनाएं अधर में लटक जाती हैं। नगर परिषद क्षेत्र में ड्रेनेज और सफाई व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है, बावजूद इसके 77 करोड़ रुपये पुलिया और ड्रेनेज के नाम पर आवंटित किए गए हैं। सवाल यह उठता है कि पहले से चल रही परियोजनाओं का क्या हुआ? क्या नए बजट से यह समस्या दूर होगी या फिर केवल कागजी योजना बनकर रह जाएगी? इसी तरह, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 13.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, लेकिन अभी तक लखीसराय में कचरा निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं बन पाई है। क्या इस बार सच में कुछ बदलेगा?

कर्मचारी और संविदा बहाली पर भी उठे सवाल

नगर परिषद ने संविदा कर्मियों की बहाली का भी प्रावधान किया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किन पदों पर नियुक्ति होगी और क्या इस प्रक्रिया में पारदर्शिता रहेगी? इसके अलावा, नगर परिषद में सामुदायिक भवनों के लिए 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है, लेकिन पहले से बनी इमारतों की स्थिति दयनीय है। क्या पहले इनकी मरम्मत नहीं होनी चाहिए थी?

निष्कर्षः बजट में वादे बड़े, लेकिन हकीकत क्या होगी?

लखीसराय नगर परिषद का 2025-26 का बजट बड़े वादे करता है, लेकिन इसकी सफलता नगर प्रशासन की इच्छाशक्ति और पारदर्शिता पर निर्भर करेगी। बीते वर्षों में भी नगर परिषद ने ऐसे ही योजनाएं बनाई थीं, लेकिन उनका कितना प्रभावी क्रियान्वयन हुआ, यह किसी से छिपा नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस बार नगर परिषद की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी या फिर यह बजट भी सिर्फ कागजों में सिमटकर रह जाएगा?

एकता का महायज्ञ संपन्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से सांस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़ व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़ की मौतों के आंकड़े छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्य/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

पाकिस्तान की भांति बर्बादी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

ललित गर्ग

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ़ भागता है' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ारहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों कीहत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि- त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा। अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दर्शाता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाता है। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया है और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियां के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरु हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

सूडोकु नवताल- 7360

✱✱✱✱✡ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7359 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

समय और घटना किसी के बस में नहीं

हरिशंकर व्यास

इंदिरा गांधी ने असली कांग्रेस को पार्टी तोड़ कर खत्म किया था। वही नरेंद्र मोदी ने बिना कुछ किए ही भाजपा और संघ परिवार को अपने रंग में डाला है। सौ टका सत्ता आश्रित बना दिया है।सोचें, दिल्ली में मुख्यमंत्री के नए चेहरे के हवाले भाजपा के कुल नए अर्थ पर। भाजपा अब क्या है? दो, सिर्फ दो नेताओं के करिश्मे पर आश्रित पार्टी। एक, 74 वर्षीय नरेंद्र मोदी और दूसरे 52 वर्षीय योगी आदित्यनाथ। दोनों की उम्र में 22 वर्ष का फर्क। ऐसे में नरेंद्र मोदी यदि 2034 तक प्रधानमंत्री रहते है (कोई अनहोनी नहीं, मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 28 महीने पद पर रह कर 84 वर्ष की उम्र में रिटायर हुए थे) तब वे 84 साल के होंगे और योगी आदित्यनाथ 64 वर्ष के। तब उनका विकल्प योगी को उत्तराधिकार सुपुर्द करने का होगा। यदि मोदी को इतने लंबे समय तक राज करना है तो मेरा मानना है कि वे उत्तर प्रदेश और हिंदी भाषी भक्तों के लिए योगी को लगातार मुख्यमंत्री बनाए रखेंगे। यह भारतीय राजनीति का नया कीर्तिमान होगा। साथ ही भारत के भविष्य का अकल्पनीय सिनेरियो भी। क्योंकि मोदी के हिंदुत्व और योगी के हिंदुत्व के तीस-चालीस साल में भारत अंदरूनी तौर पर जो बनेगा, वह छुपा नहीं रहना है। संभवतया यह सिनेरियो नामुमकिन लग रहा हो। तब जरा नई भाजपा पर गौर करें? सन् 2019 के बाद से आरएसएस को दरकिनार कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का चेहरा, चरित्र ही बदल डाला है। भारत की पार्टियों और आजाद भारत का इतिहास है कि केंद्र सरकार की सत्ता तभी संभव है जब राष्ट्रीय चेहरों की धुरी पर पार्टी का विकास हो। साथ ही क्षत्रपों की स्वयंभू ताकत पर पार्टी संगठित हो। जनसंघ-भाजपा के इतिहास में श्यामा प्रसाद, बलराज मधोक, वाजपेयी यदि धुरी थे तो उसकी पहली दिल्ली की सत्ता में लोकल नेताओं (पंजाबी तिकड़ी- मल्होत्रा, साहनी, खुराना) का योगदान था। अटल बिहारी वाजपेयी से हिंदी प्रदेशों में गूंज थी तो साथ में भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार, मंगल सेन, माधवकांत त्रिपाठी, कैलाशपति मिश्र, कैलाश जोशी, केशुभाई, जगन्नाथ राव जोशी, येदियुरप्पा, मनोहर पार्रिकर, कल्याण सिंह, प्रमोद महाजन की जातीय-लोकल क्षत्रप राजनीति से भी जनसंघ-भाजपा की सत्ता सीढियां बनी थी। संगठन के चेहरों में दीनदयाल उपाध्याय, नानाजी देशमुख, सुंदर सिंह भंडारी, कुशाभाऊ ठाकरे, लालकृष्ण आडवाणी आदि से संगठन को गति थी लेकिन जनभावना का ग्राफ तो चेहरों से ही बना था। वह सब क्या भाजपा में अब है? भाजपा में जनता से सरोकार के चेहरे कितने हैं? जरा गौर करें इन चेहरों पर- भूपेंद्र भाई पटेल (गुजरात, उम्र 62 वर्ष), मोहन यादव (मध्य प्रदेश, उम्र 59), देवेंद्र फडऩवीस (महाराष्ट्र, उम्र 54), मोहनचरण मांझी (ओडिसा, उम्र 53), भजनलाल शर्मा (राजस्थान, उम्र 58), पुष्कर सिंह धामी (उत्तराखंड, उम्र 49), नायब सिंह सैनी (हरियाणा, उम्र 55), प्रमोद सावंत (गोवा, उम्र 51), विष्णुदेव साय (छतीसगढ़, उम्र 60), रेखा गुप्ता (दिल्ली, उम्र 50) भाजपा के अब सत्तावान चेहरे हैं। बाकी में पेमा खांडू (अरूणाचल, उम्र 45), हिमंत बिस्वा सरमा (असम, उम्र 56) और त्रिपुरा के मानिक शाह कांग्रेस से आयातित हैं। आखिर में उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ (उम्र 52 वर्ष) हैं, जिसके एक हिंदू आईकॉन के चेहरे के आगे सभी जीरो हैं! तो पहली बात नरेंद्र मोदी और प्रदेश मुख्यमंत्रियों की आयु व कद में इतना गैप है कि कोई दिल्ली में प्रधानमंत्री पद की कुर्सी की महत्वाकांक्षा पाल ही नहीं सकता। सभी नरेंद्र मोदी के द्वारा बनाए गए हैं। इन्हे प्रदेशो के स्थापित, पुराने चेहरों को हाशिए में डाल कर बनाया गया है तो जाहिर है सभी राज्यों में भाजपा का पूरा ढांचा दिल्ली की खड़ाऊ है। मोदी के इंजन के पीछे, निराकार ड्राइवरों के घसीटते इंजन हैं। सभी नरेंद्र मोदी पर आश्रित। उन्हीं द्वारा, उन्हीं के लिए, उन्हीं को समर्पित चेहरे हैं। किसी का अपना कोई स्वतंत्र वजूद नहीं। ऐसे ही लगभग केंद्रीय कैबिनेट में स्थिति है। ऐसा भारत की राजनीति में पहले कभी नहीं हुआ। नेहरू, इंदिरा, वाजपेयी किसी के भी राज में नहीं। इसलिए यदि नरेंद्र मोदी अपना राज 2034 तक चलाए रखें तो कोई बाधा नहीं है। यह गलतफहमी नहीं रखें कि यह नई राजनीति आरएसएस अनुसार है। जैसा मैंने ऊपर लिखा है, सन् 2019 से मुख्यमंत्रियों, सत्ता के केंद्रों का फैसला सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी की रणनीति से है। इसलिए जो नया (नई पीढ़ी, नया ढांचा) होता लग रहा है वह संघ-भाजपा के दीर्घकालीन उद्देश्यों, या किसी उत्तराधिकारी योजना में नहीं है, बल्कि एक ही ऊंगली पर गोवर्धन पर्वत की स्थायी व्यवस्था की खातिर है।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजनेस कर सकते हैं, जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों को नए अवसर मिलेंगे। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में में रुचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त हो सकता हैं। आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा। नौकरी में मनपसंद जगह ट्रांसफर हो सकता है। आज आपके व्यापार में ग्रोथ की संभावना है। आपकी सभी योजनाएं कामयाब रहेंगी। आप इस दौरान बड़ा निर्णय सोच समझकर लें, अच्छा रहेगा परिवार वालों की भी राय ले लें। आपका दांपत्य जीवन बढ़िया रहेगा। आज आप किसी यात्रा पर जाएंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन सुखद रहने वाला है। आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आपको माता पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होगा। आप किसी धार्मिक स्थान की यात्रा करेंगे। इस दौरान आप अपनी सेहत का ध्यान रखें।

कर्क राशिः आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला होगा। नई नौकरी मिलने की संभावना है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को मनचाहे परिणाम मिलने की उम्मीद है। वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी, कहीं डिनर पर जाएंगे। इस दौरान किसी प्रकार के तर्क से बचें। आप परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करेंगे। उनकी खुशियों का ध्यान रखेंगे व्यस्तता होने के बावजूद आप उनके साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के योग बने हुए हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र किसी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे, कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप संपत्ति खरीदने का मन बना सकते है। आपको अधिक धन लाभ के योग हैं। वैवाहिक रिश्ते में नयी-नयी खुशियां आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशिः आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल माहौल बना रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को उचित अवसर मिलेंगे। आप अपनी टीम के अच्छे लीडर के रूप में उभर कर सामने आएंगे। आपके किसी स्टार्टअप की योजना सफल रहेगी। आप अपने परिवार के साथ समय बिताएंगे। आप कहीं बाहर घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशिः आज आपका दिन लाभदाई रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आज आपके नए-नए लोगों से संपर्क जुड़ेंगे, जिससे आपके करियर में लाभ होगा। आज आप जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में किसी बड़े से आप सलाह लेंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके रुके हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जा सकते हैं। अचानक किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु राशिः आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन है। आपके कार्यों की कार्यस्थल पर सराहना होगी। आज आप किसी से भी उलझने बचे। आप अपने माता-पिता के साथ किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपका रुझान दार्शनिक व्यक्तियों की ओर बढ़ेगा। आप स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें। नियमित हेल्थ की जांच कराते रहें।

मकर राशिः आज आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। सिनेमा जगत से जुड़े लोगों को अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलने के योग बने हुए है। कार्यस्थल पर आपका उत्साह बढ़ेगा। आज आप वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी कार्य के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

कुंभ राशिः आपके लिए आज का दिन शुभ फलदाई साबित होगा। बिजनेस में नये काम के अवसर प्राप्त होंगे। यात्राओं से लाभ मिलने के संकेत है। आज आपको नौकरी बदलने का प्रस्ताव मिल सकता है। शोध करने वाले जो जातक विदेश जाकर काम करना चाहते हैं, उनको उचित अवसर मिलेंगे। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुक़सान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफ़ी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है। प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुक़सान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की ज़रूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है। अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुक़सान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है।

राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुक़सान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड, लगातार 11वां टॉस हारे

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले रोहित शर्मा लगातार 11वां वनडे टॉस हार गए। इस हार के साथ उन्होंने वनडे क्रिकेट में किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड और आगे बढ़ा दिया। इस मामले में रोहित शर्मा अब नीदरलैंड के पूर्व कप्तान पीटर बोरेन के बराबर आ गए हैं, जिन्होंने 2011 से 2013 के बीच लगातार 11 बार टॉस गंवाए थे। अब रोहित वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने के ऑल-टाइम रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने

1998 से 1999 के बीच लगातार 12 टॉस गंवाए थे।

वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तान

- 12 - ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज) – अक्टूबर 1998 से मई 1999
- 11 - पीटर बोरेन (नीदरलैंड) – जनवरी 2017 से मई 2017
- 9 - नासिर हुसैन (इंग्लैंड) – अक्टूबर 2000 से जनवरी 2002
- 11 - रोहित शर्मा (भारत) – मार्च 2011 से अगस्त 2013
- 11 - रोहित शर्मा (भारत) – नवंबर 2023 से मार्च 2025
- 9 -जोस बटलर (इंग्लैंड) – जनवरी 2023 से सितंबर 2023
- 9 - मोनांक पटेल (यूएसए) – मई 2022 से अगस्त 2022
- 9 - इयोन मोर्गन (इंग्लैंड) – जनवरी 2017 से मई 2017
- 9 - नासिर हुसैन (इंग्लैंड) – अक्टूबर 2000 से जनवरी 2002

भारत ने बनाया सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड- भारत ने इस मुकाबले में टॉस हारकर वनडे क्रिकेट में किसी भी टीम ने सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड भी बना दिया है। यह भारत का लगातार 14वां टॉस हार था। इससे पहले यह रिकॉर्ड नीदरलैंड के नाम था, जिसने 2011 से 2013 के बीच लगातार 11 टॉस गंवाए थे।

- 14 - भारत (19 नवंबर 2023 से 4 मार्च 2025)
- 11 - नीदरलैंड (18 मार्च 2011 से 27 अगस्त 2013)
- 9 - इंग्लैंड (27 जनवरी 2023 से 13 सितंबर 2023)
- 9 - यूएसए (29 मई 2022 से 13 अगस्त 2022)
- 9 - इंग्लैंड (22 जनवरी 2017 से 29 मई 2017)
- 9 - वेस्टइंडीज (13 अक्टूबर 2011 से 16 मार्च 2012)
- 9 - ऑस्ट्रेलिया (6 नवंबर 1998 से 24 जनवरी 1999)

भारत की टॉस हारने की यह बदकिस्मती वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से शुरू हुई थी, जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले में भी भारत ने टॉस गंवा दिया था। इसके बाद साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान केएल राहुल की कप्तानी में भी टीम ने लगातार टॉस गंवाए। 2024 में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित ने तीनों टॉस हारे थे। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भी भारतीय कप्तान तीनों टॉस हार गए। अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हारने का सिलसिला जारी रहा।

भारत के लिए टॉस हार कोई बाधा नहीं- हालांकि, लगातार टॉस हारने के बावजूद भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी रोहित शर्मा बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हारने के बावजूद अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। अब सेमीफाइनल मुकाबले में भी ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दुबई के धीमे विकेट पर शुरुआती झटकों के बाद समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 30.2 ओवरों में 4 विकेट पर 159 रन का स्कोर बना लिया था।

ऋषभ को मिलेगा लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भीषण कार हादसे के बाद भी खेल में जबरदस्त वापसी के लिए प्रतिष्ठित लॉरियस 'कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। ऋषभ को ये अवार्ड 21 अप्रैल को मैड्रिड में एक समारोह में दिया जाएगा। ऋषभ 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद वह तकरीबन सवा साल तक खेल से दूर रहे। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद मुम्बई में बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद भी इस क्रिकेटर ने हिम्मत नहीं हारी और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। इसके बाद वह आईपीएल में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए उतरे। इसमें लय हासिल करने के बाद वह भारतीय टीम के लिए मैदान में उतरे। इस क्रिकेट ने वापसी के बाद अपने पहले मैच में भी बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया था।

आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है। केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स

काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। आईपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबले के साथ होगी। इसका समापन भी 25 मई को इसी जगह होगा।

लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

ब्यूनस आयर्स। इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है। हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। लीग मुकाबलों के बाद चार टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची हैं। भारतीय टीम सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। डिविलियर्स ने भविष्यवाणी की है कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ही फाइनल खेला जाएगा। डिविलियर्स ने कहा, "चैंपियंस ट्रॉफी के दो फाइनलिस्ट बताना संभव नहीं है पर मेरी अंतरात्मा कहती है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 विश्व कप फाइनल की तरह ही यहां भी मुकाबला करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका

का मनोबल बढ़ा है। डिविलियर्स ने कहा, "मुझे अफ्रीकी टीम का लुक पसंद है। मार्को जेनसन शानदार फॉर्म में हैं, क्लासेन जैसे खिलाड़ी फॉर्म में हैं। रासी वैन डेर डुसेन, केशव महाराज सभी। मुझे लगता है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल बेहद रोमांचक होगा हालांकि आप निश्चित रूप से न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की उपेक्षा नहीं कर सकते। ये दो भी उतनी ही मजबूत टीमें हैं। विशेषकर जब आईसीसी ट्रॉफी की बात आती है। तो भारतीय टीम इंडिया ने पिछले साल बारबाडोस के केंसिंग्टन में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

व्यापार

शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली । कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयर 3.01 प्रतिशत से लेकर 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, नेस्ले, इंफोसिस, टाइटन कंपनी और

एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.73 प्रतिशत से लेकर 1.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,487 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,825 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 662 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 268.60 अंक की कमजोरी के साथ 72,817.34 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण कुछ ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 72,633.54 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने से इस सूचकांक के चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक उछल कर 73,008.41 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 241.20 अंक टूट कर 72,844.74 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 144.85 अंक की कमजोरी के साथ 21,974.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने रिकवरी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक उछल कर 22,091.05 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 68.10 अंक की गिरावट के साथ 22,051.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 112.16 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,085.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 5.40 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

नई दिल्ली । ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर दबाव बना हुआ है। इसकी वजह से आज क्रूड ऑयल 3 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 70.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 68 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 67.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बताया जा रहा है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी

अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल के दाम में और भी गिरावट आ सकती है। माना जा रहा है कि सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिलाकर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है। ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातु आज सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही हैं। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में भी सपाट कारोबार होने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

रिकांत पिट्टी 2025-26 के लिए सीआईआई-दिल्ली के चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। ईजमाईट्रिप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी को 2025-26 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) दिल्ली राज्य का चेयरमैन बनाया गया है। देश के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म में से एक ईजमाईट्रिप ने बताया कि सीआईआई के इतिहास में पहली बार किसी यूनिकॉर्न कंपनी के सह-संस्थापक को सीआईआई दिल्ली राज्य का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सीआईआई दिल्ली के चेयरमैन के तौर पर रिकांत कारोबार विकास, डिजिटल बदलाव और उद्योग-सरकार सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रिकांत पिट्टी ने कहा, ''मेरा लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को वैश्विक व्यापार और पर्यटन केंद्र के

रूप में स्थापित करना है। इसमें प्रौद्योगिकी, स्थिरता और उद्योग सहयोग का लाभ उठाकर नए अवसरों को खोलना है। मैं नीति-निर्माताओं और व्यापार जगत के लोगों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि एक ऐसा भविष्य बनाया जा सके जो गतिशील, समावेशी और विकास और परिवर्तन से प्रेरित हो।''

रॉयल एनफील्ड ने बेची 80,799 मोटरसाइकिलें

नई दिल्ली । दो पहिया वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी रॉयल एनफील्ड ने फरवरी 2025 में घरेलू बाजार में 80,799 मोटरसाइकिलों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 18.96 प्रतिशत अधिक है। भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की मोटरसाइकिलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। फरवरी 2024 में यह आंकड़ा 67,922 यूनिट था। इस बिक्री के साथ रॉयल एनफील्ड ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय ग्राहकों के बीच इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। रॉयल एनफील्ड की 350सीसी सेगमेंट की बाइक्स की डिमांड सबसे ज्यादा रही। कंपनी ने इस सेगमेंट में कुल 77,775 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 17.43 प्रतिशत अधिक रही। इसके अलावा, 350सीसी से ज्यादा की बाइक्स की बिक्री में भी शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली। इस सेगमेंट में फरवरी

2025 में 12,895 मोटरसाइकिलों की बिक्री हुई, जो पिछले साल की तुलना में 32.86 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। घरेलू बाजार के साथ-साथ रॉयल एनफील्ड के एक्सपोर्ट में भी तेजी आई है। कंपनी ने फरवरी 2025 में कुल 9,871 यूनिट्स मोटरसाइकिलों का निर्यात किया, जो फरवरी 2024 के 8,013 यूनिट्स के मुकाबले 23.19 प्रतिशत अधिक है। यह दिखाता है कि भारतीय बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रॉयल एनफील्ड की डिमांड बढ़ रही है। घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों को मिलाकर रॉयल एनफील्ड ने फरवरी 2025 में कुल 90,670 मोटरसाइकिलें बेचीं। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 19.40 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर धूम मचाने के लिए तैयार तंडेल

7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की तंडेल ने 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने के बाद सिनेमाघरों में धूम मचा दी थी। चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों से सराहना प्राप्त की। अब, यह कुछ ही दिनों में अपने डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने फिल्म की डिजिटल रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। तंडेल 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए ओटीटी पार्टनर ने लिखा, सरहदों के पार का सफर, हदों से परे की कहानी। तंडेल को 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में देखें। तंडेल में राजू (नागा चैतन्य) बुज्जी (साई पल्लवी) नाम की लड़की से प्यार करता है। उनकी शादी से पहले वह उसकी सुरक्षा के लिए डरती है और उसे मछली पकड़ना बंद करने के लिए कहती है। हालांकि, राजू उसकी चिंताओं को नजरअंदाज करता है और समुद्र में निकल जाता है। एक शक्तिशाली तूफान उसकी नाव को रास्ते से हटा देता है, जिसके कारण उसे पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा पकड़ लिया जाता है। कहानी उसके जीवित रहने और घर वापस आने के संघर्ष पर आधारित है। यह फिल्म श्रीकाकुलम के मछुआरों से जुड़ी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है, जो अनजाने में पाकिस्तानी जलक्षेत्र में चले गए थे। 2000 में चोडिपिल्ली मुसलय्या नामक एक युवा मछुआरा काम के लिए गुजरात चला गया। उस समय जीपीएस का व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया जाता था और कई मछुआरे गलती से सीमा पार कर जाते थे। एक रात पाकिस्तानी तट रक्षकों ने उनकी नावों को जब्त कर लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया। तंडेल का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया है। इसकी पटकथा उन्होंने ही लिखी है और कहानी कार्तिक थीडा की है। फिल्म में राजू के रूप में नागा चैतन्य और सत्या के रूप में साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं। प्रकाश बेलवाडी एक पाकिस्तानी जेलर की भूमिका में हैं, जबकि आडुकलम नरेन चित्ता की भूमिका में हैं। दिव्या पिल्लई चंद्रा के रूप में दिखाई दे रही हैं और करुणाकरण मुरली की भूमिका निभा रहे हैं। बबलू पृथ्वीराज सत्या के पिता की भूमिका में हैं, जबकि कल्पा लता को राजू की मां के रूप में देखा गया।

त्रिशा कृष्णन ने गुड बैड अग्ली में राम्या की भूमिका निभाने तैयार

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन, जो 'पोन्नियिन सेल्वन, 'लियो, '96 और अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली में राम्या की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर साझा की। 'गुड बैड अग्ली एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है और इसका निर्माण मैथ्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज फिल्म्स ने किया है। इस फिल्म में अजित कुमार, प्रभु, प्रसन्ना, अर्जुन दास, सुनील, राहुल देव, योगी बाबू और शाइन टॉम चाको भी हैं। फिल्म की घोषणा 2023 के अंत में वर्किंग टाइटल एके63 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अजित की मुख्य अभिनेता के रूप में 63वीं फिल्म है, और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा मार्च 2024 में की गई थी। मुख्य फोटोग्राफी अगले मई में हैदराबाद में शुरू हुई, साथ ही स्पेन में छिटपुट कार्यक्रम भी हुए, और दिसंबर की शुरुआत में इसे पूरा किया गया। फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। इससे पहले, अभिनेत्री ने साझा किया था कि 'बृंदा के बारे में उन्हें क्या दिलचस्पी थी, जो उनकी ओटीटी सीरीज़ की शुरुआत थी। बृंदा में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो उनके लिए पहली बार है। उन्होंने बताया कि उन्होंने फ्लाइट में स्क्रिप्ट के पन्नों को खंगाला। इस सीरीज में इंद्रजीत सुकुमारन, जया प्रकाश, आमानी, रवींद्र विजय, आनंद सामी, राकेन्दु मौली और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें ड्रामा, अपराध और रहस्य के तत्वों को एक साथ पिरोया गया है, जो एक मनोरंजक देखने का अनुभव प्रदान करता है। इस सीरीज की पटकथा सूर्या मनोज वंगाला और पद्मावती मल्लाडी ने लिखी है, जिसका संगीत शक्तिकांत कार्तिक ने दिया है और प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला हैं। सूर्या मनोज वंगाला द्वारा लिखित और निर्देशित तथा एडिंग एडवरटाइजिंग एलएलपी के बैनर तले आशीष कोल्ला द्वारा निर्मित बृंदा सोनी लिव पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

टाइगर श्रॉफ बर्थडे पर फैंस को दिया तोहफा, बागी 4 का खूंखार पोस्टर रिलीज, खून से लथपथ दिखे बर्थडे बॉय

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के 35वें जन्मदिन के मौके पर मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर बागी 4 के मेकर्स ने शानदार तोहफा देते हुए एक नया पोस्टर शेयर किया है. पोस्टर में उनका आधा चेहरा ही दिखाई दे रहा है लेकिन वे देखने में काफी खौफनाक लग रहे हैं. इस पोस्टर में भी उनके किरदार रॉनी को एक इंटेंस और खूनी अवतार में दिखाया गया है. फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर बागी 4 का पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे टाइगर श्रॉफ आपको एक्शन से भरपूर साल की शुभकामनाएं, रॉनी. पोस्टर में टाइगर सिगरेट पीते हुए कैमरे की तरफ एक इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं, उनके सिर से खून बहता हुआ उनके चेहरे पर दिख रहा है.

साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाईं दिलकश अदाएं, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने फोटोशूट के दौरान ग्लास नेक लुक में ब्लाऊज और गोल्डन कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। गले में नेकलेस, माथे पर छोटी सी काली कलर की बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर आउटफिट में बवाल काटती है।

आज रिलीज होगा द पैराडाइज का टीजर, निर्माताओं ने नया पोस्टर जारी कर किया खुलासा

श्रीकांत ओडेला एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म दशहरा से ही अपनी छाप छोड़ी थी, जिसमें नानी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म एक जबरदस्त हिट साबित हुई और नानी को बॉक्स ऑफिस पर पहली बार 100 करोड़ की सफलता मिली। श्रीकांत अब एक बार फिर नानी के साथ एक और पीरियड ड्रामा फिल्म द पैराडाइज के लिए साथ आए हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने फिल्म से जुड़ा नया अपडेट साझा किया है। निर्माताओं ने दर्शकों को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर खास तोहफा दिया था और टीजर की रिलीज डेट का एलान किया था। फिल्म का टीजर 3 मार्च को रिलीज होने वाला है। वहीं, अब निर्माताओं ने टीजर के रिलीज के समय पर अपडेट साझा किया है। फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए उन्होंने बताया है कि टीजर 3 मार्च को सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर रिलीज होगा। इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म के एडिटिंग प्रोसेस के बारे में भी जानकारी दी थी। पैराडाइज के निर्माताओं ने एक्स पर एडिटिंग की कुछ झलकियां साझा की थी। दृश्य में बस पानी की बौछार दिखाई दे रही थी। निर्माताओं ने सभी उत्साहित प्रशंसकों को अपडेट किया था कि रॉ स्टेटमेंट का संपादन लॉक कर दिया गया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, श्रीकांत ओडेला द्वारा किए जाने वाले उत्साह का इंतजार करें। अनिरुद्ध संगीत में बोल्ड और वाइल्ड नेचुरल स्टार नानी। देखते रहिए। रॉ स्टेटमेंट की फीमेल लीड को अभी फाइनल किया जाना बाकी है। द पैराडाइज निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ नानी की दूसरी फिल्म है। दोनों ने पुरस्कार विजेता फिल्म दशहरा में साथ काम किया था, जो 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। श्रीकांत ओडेला के साथ उनके सहयोग के अलावा द पैराडाइज संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ नानी की तीसरी फिल्म भी

PM Modi plays with orangutan, feeds lion cub at Vantara animal shelter

Agency: Prime Minister Narendra Modi, who is in Gujarat on his three-day tour, visited and inaugurated Anant Ambani's Vantara, an animal rescue, conservation and rehabilitation centre, on Tuesday. Vantara is home to more than 2,000 species and over 1.5 lakh rescued, endangered, and threatened animals. It is spread over 3000 acres in the Reliance Jamnagar refinery complex and is a state-of-the-art animal rescue and rehabilitation centre. In a video, the Prime Minister was seen closely interacting and spending time with various species of animals which have been rehabilitated there. He was also seen playing with and feeding the animals, including orangutans, Asiatic Lion cubs, White Lion cub, and Clouded Leopard cub, which is a rare and endangered species, among others. Prime Minister Modi explored various facilities at the centre in Vantara. He also visited the wildlife hospital at Vantara and saw the veterinary facilities which are equipped with MRI, CT scans, ICUs among others, and also house multiple departments, including Wildlife Anesthesia, Cardiology, Nephrology, Endoscopy, Dentistry, Internal Medicine etc.

The Prime Minister visited the MRI room at the hospital and witnessed an Asiatic Lion undergoing an MRI. He also visited the Operation Theatre where a Leopard was going through life-saving surgery after being hit by a car on the highway and brought here. The rescued animals at the centre are kept in places which closely mirror their natural habitat. Some of the key conservation initiatives undertaken at Vantara include the conservation of the Asiatic Lion, Snow Leopard, One-Horned Rhinoceros, among others.

PM Modi patted an Okapi, came face to face with Chimpanzees in open who were got from a facility where they were kept as pets, hugged and lovingly played with Orangutan who had been earlier kept in an over-crowded facility, saw up close a Hippopotamus which was under water, saw crocodiles, undertook a walk in between Zebras, fed a Giraffe and a Rhino calf. The one-horned rhino calf was orphaned as her mother died at the facility. He also saw a large python, a unique two-headed snake, two-headed turtle, Tapir, leopard cubs which were left in an agricultural field and later spotted by villagers and rescued, giant otter, Bongo (antelope), Seals. PM Modi saw elephants in their jacuzzi. The hydrotherapy pools support recovery of elephants suffering from arthritis and foot problems, and improve their mobility. He also saw the workings of the elephant hospital, which is the largest such hospital in the world.

Indians are bad: Florida man's reason for assaulting Indian-origin nurse

Agency: The man who brutally assaulted an Indian-origin nurse in Florida said, "Indians are bad. I just beat the s*** out of an Indian doctor," reported a police officer while testifying in court. The attacker, identified as 33-year-old Stephen Scantlebury, was a patient at the hospital who attacked 67-year-old Leelamma Lal at HCA Florida Palms West Hospital psychiatric ward, on February 19. She suffered multiple fractures, especially on the face in the attack. Scantlebury's racial rant was revealed by Beth Newcomb, a sergeant with the Palm Beach County Sheriff's Office, who testified against him during his trial in a circuit court in Palm Beach County Courthouse.

According to Sgt Newcomb, Scantlebury fled from Palms West Hospital shirtless and with medical leads still attached to his chest, and he told her: "Indians are bad. I just beat the s*** out of an Indian doctor." 67-year-old Leelamma Lal, an Indian-origin nurse went to check on Stephen Scantlebury, who was a patient at the psychiatric ward, when he brutally assaulted her. The Indian-origin nurse was beaten almost to death in a racist attack by a patient at Palms West Hospital. According to one local news report, "Scantlebury beat nurse Leelamma Lal so badly that 'essentially every bone' was broken in her face."Scantlebury was arrested shortly after the incident and charged with attempted murder with a hate-crime enhancement. At the time of his arrest, according to the law enforcement at the scene, he was shirtless, shoeless, and covered in EKG leads. Sources said he was admitted to the hospital under Florida Baker's Act, which essentially provides hospitalisation to individuals to assess their mental health and address any immediate crisis. Since the attack, there has been an outpouring of support for Lal, as well as demands for stricter safety measures in hospitals. A petition calling for harsher penalties for those who assault healthcare workers has gathered over 9,500 signatures in just two days.

The Hindu American Foundation also weighed in on the attack, posting on X: "A patient in a Florida hospital is in custody after critically injuring nurse, Leela Lal, taunting that 'Indians are bad' and 'I just beat the sh-- out of that Indian doctor.' Escalating anti-India rhetoric is endangering lives. It must stop." The Indian Nurses Association of South Florida also condemned the attack, stressing that this is a wider issue affecting all medical staff. "The issue here is the risk to our healthcare workers because there are no specific laws to protect the staff," said Dr Manju Samuel, the association's advisory board chair. "There is a deficiency, and that must be addressed by lawmakers."

CHB gets 6K applications for 372 units of Sec 53 project

Agency: The Chandigarh Housing Board (CHB) has received an overwhelming response to its demand survey for the proposed self-financing housing scheme in Sector 53 here, which was put on hold by the Administration in 2023. According to officials, nearly 6,300 applications have been received so far. The survey, which started on February 22, concluded tonight. Nearly 1,000 applications were received for units specified for economically weaker sections (EWS) and the remaining were for HIG and MIG units, officials said, adding that nearly 70 per cent applications were received for HIG units. The CHB was considering launching the scheme only after receiving adequate response from interested eligible persons as well as obtaining requisite approvals. For taking part in the demand survey, an applicant had to deposit an amount of Rs 10,000 each for HIG and MIG units and Rs 5,000 for EWS units as confirmation of their interest in the scheme. The amount will be adjusted in the earnest money deposit (EMD) after the launch of the scheme. In case the applicant decides not to participate further, the entire amount will be forfeited. If launched, the scheme will have 192 HIG units, 100 MIG houses and 80 units for economically weaker sections (EWS). At a meeting held recently, officials made a presentation for the revival of the scheme before UT Chief Secretary Rajeev Verma, who is also CHB chairman. Verma had asked the officials to conduct a fresh demand survey for the scheme.

A day before protest, Punjab Police raid farmer leaders' homes amid failed talks

Agency: Ahead of the protest call by Samyukta Kisan Morcha on March 5 in Chandigarh, Punjab Police on Tuesday conducted raids at residences of several farmer union leaders across the state, resulting in their detentions. Among those detained by the police are Samyukt Kisan Morcha leaders Ruldu Singh Mansa, Prem Singh Bhangu, and Paramdeep Singh Baidwan, who were picked up from Mohali and Chandigarh. From Barnala, the detained individuals include Jagir Singh Chiniwal (District President, BKU/Kadian), Hardeep Singh Talewal (State Organising Secretary, BKU/Ugrahan), Manjeet Raj (District General Secretary, Kirti Kisan Union-Barnala), and Jagjeer Singh Seera (Block President, BKU Dakonda-Sehna). In Ropar and Anandpur Sahib, the police detained Talwinder Singh Gagon (Vice President, BKU Qadian), Mohan Singh Dhmana (President, Jamhoori Kisan Sabha, Ropar), Bir Singh Barwa (President, Kirti Kisan Morcha, Ropar), Gurnaib Singh Jaitewal (Jamhoori Kisan Sabha), Davinder Singh Nanangli (President, Kisan Sabha CPM, Ropar), along with nine others. Additionally, in Patiala, five leaders from BKU Krantikari, BKU Lakhowal, and Satnam Behru group have also been detained.

Remove Aurangzeb's grave from Maharashtra: BJP's Navneet Rana steps up attack

Agency: BJP leader Navneet Rana launched a scathing attack on Maharashtra Samajwadi Party (SP) chief Abu Azmi a day after the latter praised Mughal ruler Aurangzeb.

"The state in which you are elected to sit in the Assembly for five years was ruled by Chhatrapati Shivaji Maharaj and Chhatrapati Sambhaji Maharaj. People like you should watch 'Chhava' movie to see what Aurangzeb did with our king. I want to request Maharashtra government that the way Aurangabad's name was changed and kept after our God Sambhaji Maharaj, Aurangzeb's grave should also be demolished. People who love Aurangzeb should decorate his grave in their homes," she said.

Samajwadi Party's Abu Azmi sparked controversy on Monday by praising Mughal emperor Aurangzeb, contradicting historical accounts. His statements claimed Aurangzeb built temples and was not cruel. Azmi's remarks glorifying Aurangzeb's rule and claims of history being distorted didn't go down well with many. Soon, a case was registered against him for hurting religious sentiments. The Samajwadi leader's comments on Aurangzeb prompted Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde to demand an apology or a treason charge, citing the ruler's torture of Chhatrapati Sambhaji Maharaj.

"Eulogising the same Aurangzeb that tortured Chhatrapati Sambhaji Maharaj for 40 days, plucked his nails, gouged out his eyes, skinned him, cut off his tongue is a massive sin. Abu Azmi should apologise for this," a visibly angry Shinde was quoted.

Gujarat man deported after US entry attempt with stolen Pakistani identity

Agency: AC Patel—disguised as Mohammad Najir Hussain—tried to enter the US, but was sent back to India after authorities saw through the deception, reports The Times Of India. Patel arrived at Delhi airport on February 12 where immigration officials realised the Pakistani passport he was carrying was not forged, but an actual lost document belonging to Mohammad Najir Hussain. Delhi Police arrested him on charges of cheating by impersonation and misuse of a passport. Patel also admitted he had paid an agent in Dubai to obtain the fraudulent identity. Patel's passport had expired in 2016. These cases come as US authorities intensify their crackdown on undocumented Indian immigrants following Donald Trump's return to office in January. In the past month alone, four flights carrying Indian deportees, including 74 Gujaratis, have been sent to India.

Calling someone 'Miyan-Tiyan' in poor taste, but not an offence: Supreme Court

Agency: The Supreme Court has ruled that calling a person "Miyan-Tiyan" or 'Pakistani' may be in poor taste but does not constitute an offence of hurting religious sentiments under Section 298 of the Indian Penal Code (IPC). The top court discharged an accused from charges under this provision, pointing out that the remarks, though inappropriate, did not meet the legal threshold for criminal prosecution. A bench comprising Justices BV Nagarathna and Satish Chandra Sharma delivered the verdict while closing a case against an accused, Hari Nandan Singh, who was alleged to have called a government servant 'Pakistani' while the latter was performing his official duties. "Undoubtedly, the statements made are in poor taste. However, it does not amount to hurting the religious sentiments of the informant. Hence, we are of the opinion that the appellant shall also be discharged under Section 298 IPC," the Court ruled in its judgment dated February 11. The complainant, an Urdu translator and acting clerk under the Right to Information (RTI) Act, had personally delivered certain information to the accused, Singh, following an appellate authority's order. Singh, initially reluctant to accept the documents, eventually did so but allegedly hurled abuses at the complainant, referencing his religion. It was further alleged that Singh used criminal force against the complainant with the intention of intimidating and deterring him from performing his duties as a public servant. This led to the registration of an FIR against Singh under multiple IPC provisions, including Sections 298 (hurting religious sentiments), 504 (intentional insult to provoke breach of peace), 506 (criminal intimidation), 353 (assault or criminal force to deter a public servant from duty), and 323 (voluntarily causing hurt). The Magistrate, upon reviewing the case, framed charges under Sections 353, 298, and 504, while dismissing charges under Sections 323 and 506 due to a lack of evidence. Singh's plea for discharge was initially rejected by the Sessions Court and later by the Rajasthan High Court, prompting him to approach the Supreme Court. The apex court ruled that there was no evidence of assault or use of force to sustain the charge under Section 353 IPC and noted that the High Court erred in not discharging the accused under this provision. The top court further held that Section 504 IPC was inapplicable as there was no act on Singh's part that could have provoked a breach of peace. As for Section 298, the Supreme Court acknowledged that while Singh's remarks were inappropriate, they did not legally amount to wounding religious feelings under the IPC. Consequently, Singh was discharged of all charges.

Wrestler Sushil Kumar granted bail by Delhi High Court in murder case

Agency: Olympic wrestler Sushil Kumar got bail from the Delhi High Court in a murder case. He was released after providing a Rs 50,000 bond and two sureties of the same amount. A Bench, headed by Justice Sanjiv Narula, granted bail to Kumar, who is a main accused in the death of a junior wrestler, 23-year-old Sagar Dhankar, in May 2021. The two-time Olympic medallist was charged with murder, along with rioting, unlawful assembly and criminal conspiracy following Dhankar succumbing to injuries when he was attacked by Kumar and associates. Dhankar died of the injuries he suffered after being attacked by Sushil Kumar and others in the parking lot of Chhatrasal Stadium, New Delhi, on May 4, 2021. Kumar and his associates assaulted the junior wrestler over a property dispute. Delhi Police named Kumar the main accused in a 170-page chargesheet, citing tensions over Dhankar's reluctance to vacate the flat and rumours that Kumar feared him.

Kumar was on the run for over two weeks before his arrest from Mundka in western Delhi. He has been in judicial custody since June 2, 2021. According to the police, The conflict began over a flat in Model Town, owned by Kumar, where Dhankar had previously lived. A dispute over rent escalated when Dhankar allegedly abused Kumar, leading to the fatal brawl outside of Chhatrasal Stadium. Dhankar later died from cerebral damage caused by blunt force trauma. Sushil Kumar, the prime accused in the Sagar Dhankar murder case, has been granted interim bail multiple times. In March 2023, Rohini Court granted him four days of bail on humanitarian grounds to perform his father's last rites. The court allowed his release from March 6-9, 2023 on a Rs 1 lakh bond with two sureties. Later, he was out on bail again from July 23-30, 2023, during which he underwent a knee operation. After these releases, Kumar surrendered in Delhi's Tihar Jail again in August 2023.